राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष-25 | अंक-10 | अप्रेल, 2025 | कुल पृष्ठ-32 | मूल्य-₹ 15

राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा,
जयपुर में पौधारोपण करते शिविरार्थी

चित्र विथिका

ब्यावर जिले की प्रथम राज्य परिषद के अधिवेशन में राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य को माला पहनाकर स्वागत करते स्थानीय पदाधिकारी

सीकर जिला स्तरीय प्रतियोगिता रैली में राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य का स्वागत करते हुए जिले के पदाधिकारी

पाली जिला मुख्यालय पर परिण्डा अभियान की शुरूआत करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

जगतपुरा जयपुर में ट्रेनर्स टीम मीट को सम्बोधित करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 10
अप्रेल, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

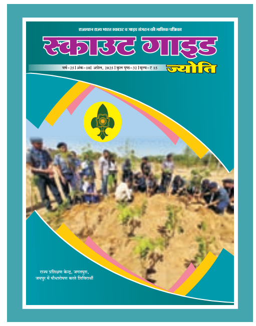

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
ब्यावर जिला अधिवेशन	5
सीकर जिला स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली	6
10th Sharjah International Scout Gathering	8
महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान	10
श्री खाटूश्याम जी मेला स्काउट गाइड सेवा शिविर	11
सह शैक्षिक गतिविधियों में शामिल स्काउटिंग	12
अजमेर जिला रैली	14
गतिविधि दर्पण	15
हमारे महापुरुष : महात्मा ज्योतिबा फुले	24
पर्यटन स्थल : मरुस्थल का द्वार : चूरू	25
हमारा स्वास्थ्य : घर में उपलब्ध सामग्री से उपचार	26
दक्षता पदक : विश्व संरक्षण	27
गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	आजीवन सदस्यता शुल्क 1200/-
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

उत्कृष्ट प्रदर्शन हो हमारा लक्ष्य

यह कहने में कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि स्काउटिंग–गाइडिंग बालक बालिकाओं, युवक–युवतियों को श्रेष्ठ नागरिक बनाने का वैश्विक रूप से सर्वमान्य एवं स्वीकृत प्रशिक्षण है।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि आमजन, समाज और अभिभावकों के इस संगठन के प्रति आशा भरे विश्वास को हम और अधिक सुदृढ़ करेंगे। हमारा एकजुट प्रयास और नित नये नवाचार स्काउट गाइड आन्दोलन को नई शक्ति, नई क्षमता व नई प्रेरणा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होंगे।

आन्दोलन के प्रशिक्षण को हमारे हजारों स्काउटर बन्धु व गाइडर बहिनें बालकों व बालिकाओं तक पहुंचाने में निःस्वार्थ भाव से सेवा कर रहें हैं, ये समस्त कार्यकर्ता हमारी शक्ति का मुख्य स्त्रोत हैं। जितना यह बल बढ़ेगा, आन्दोलन उतनी ही प्रगति करेगा। सभी से आह्वान है कि हमें अधिकाधिक प्रशिक्षित स्काउटर गाइडर तैयार कर अपने संगठन का धरातल विकसित करते हुए आन्दोलन को प्रगति की राह पर तेजी से अग्रसर करना है। साथ ही, एक प्रकाश–स्तम्भ की तरह स्थापित होकर अन्य राज्यों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका का निर्वहन भी करना है।

वर्तमान में राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन अपनी संख्यात्मक वृद्धि के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये हुए है। अब हमें संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ गुणात्मक वृद्धि पर अधिक ध्यानाकर्षण की आवश्यकता है। मेरा सभी से आह्वान है कि हमारे स्काउटर गाइडर या स्काउट गाइड जब भी हमारे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करें तो उससे पहले हम अपने स्तर पर पूर्णतया आश्वस्त हों कि हमारे लीडर्स, स्काउट गाइड रोवर रेंजर उस गतिविधि में आयोजित होने वाली प्रतियोगिताओं एवं प्रदर्श के लिए पूर्णरूप से तैयार एवं प्रशिक्षित हों। प्रदेश का उत्कृष्ट प्रदर्शन ही हमारी पहचान बने यही हमारा ध्येय और लक्ष्य होना चाहिए।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

स्काउटिंग गाइडिंग को सेवा का पर्याय कहा जाता है। स्काउटिंग सेवाव्रत धारी संगठन है। हर समय सेवा करने को उद्यत रहने की बात स्काउट गाइड आन्दोलन सिखाता है। स्काउट संगठन को आज पूरे विश्व में सेवाभावी संगठन के रूप में पहचाना जाता है।

हमें यह बताते हुए गर्वानुभूति है कि इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु हमारे जिला मुख्यालय, सीकर ने प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री खाटूश्याम जी के मेले के अवसर पर स्काउट गाइड सेवा शिविर का आयोजन कर देश–विदेश से आने वाले दर्शनार्थियों को अपनी विविधि प्रकार की सेवाओं से लाभान्वित किया है। इस सेवा शिविर में अनेक जिलों के स्काउट गाइड रोवर रेंजर द्वारा दी गई सेवाओं से अभिभूत होकर हमारे राज्य के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों ने कहा कि स्काउट गाइड द्वारा दी जा रही निःशुल्क सेवाएं अतनी उत्कृष्ठ है कि ये हमारे प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान दिलाने में सहायक है। यही सेवा का आलम पूरे प्रदेश में वर्ष पर्यन्त देखने को मिलता है।

हमें जानना है कि मानव जीवन स्वर्णिम उपलब्धि है, जिसे ईश्वर ने हमें अपने उत्तम उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रदान किया है। वह उत्तम उद्देश्य 'पर सेवा' ही है। जिसने अपने जीवन को सेवा में नहीं लगाया उसने जीवन के असली उद्देश्य को समझा ही नहीं।

सेवा को भक्ति भी कहा गया है और यह भक्ति ही हमारे संगठन की असीम शक्ति है। अतः सभी स्काउट गाइड रावर रेंजर से यह अपेक्षा की जाती है कि वे प्रतिदिन कोई न कोई सेवा का कार्य अवश्य करें।

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

ब्यावर जिला अधिवेशन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कहा कि स्काउटर गाइडर ईमानदारी से अपने अपने कर्तव्यों का पालन विद्यालयो में करें तो स्काउट गाइड संगठन की तस्वीर बदल सकती हैं। एक सच्चा गुरु वह होता है जो अपने शिष्य को अपने से बेहतर बनाने का प्रयास करता है। श्री आर्य ने श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय ब्यावर में आयोजित ब्यावर जिले के प्रथम जिला अधिवेशन में अपने विचार व्यक्त किए।

श्री आर्य ने कहा कि ब्यावर नये जिलो के गठन में, ऐसा पहला जिला है जहाँ स्काउट गाइड का जिला अधिवेशन सबसे पहले आयोजित हुआ। उन्होंने कहा कि ब्यावर से मेरा व्यक्तिगत लगाव है क्योंकि मैने इस शहर मे अध्ययन किया और डॉ. रमेश लोढ़ा जैसे मेरे गुरु ने मेरे जीवन को ऐसा तराशा कि आज जो कुछ हूँ, आपके समक्ष है। स्टेट चीफ कमिश्नर ने श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय ब्यावर में रेन्जर टीम शुरू करने पर राजकुमारी कुमावत और रमेश लोढ़ा को बधाई दी। श्री आर्य ने कहा कि स्काउटिंग का आवासीय विद्यालय ब्यावर में शुरू करने की उनकी इच्छा है और इस दिशा मे प्रयास किया जायेगा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने कहा कि स्काउट गाइड एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है और मुझे खुशी है कि विमल चौहान के प्रयास से हमारे महाविद्यालय में भी इस गतिविधि की शुरुआत हुई।

सहायक स्टेट कमिश्नर विमल चौहान ने कहा कि ब्यावर स्काउट गाइड का गौरवशाली इतिहास रहा है। उन्हें स्काउटिंग विरासत मिली है। श्री आर्य के निर्देश पर उन्होंने 4 निजी विद्यालय व दो महाविद्यालय मे स्काउटिंग शुरू करवाई।

सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी ने प्रथम जिला अधिवेशन के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और संगठन के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए भविष्य में आयोजित शिविरों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर सी.ओ. स्काउट अजमेर नरेन्द्र खोरवाल ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वार्षिक अधिवेशन के सफल आयोजन के लिए संयोजक मोहन सिंह चौहान को मुख्य अतिथि श्री आर्य ने साफा व माला पहनाकर सम्मानित किया।

इस प्रथम जिला अधिवेशन में जिले के 176 से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय की व्याख्याता राजकुमारी के नेतृत्व में 15 बालिकाओं को श्री जोशी ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई। समारोह में विशिष्ट अतिथि कविता मौर्य मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जवाजा, गोपाल सिंह मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बदनोर, दुर्गाराम दैय्या मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जैतारण, जिला परिवहन अधिकारी ब्यावर भागचन्द नवाल, प्रधानाचार्य दिनेश आर्य, भीकम चन्द परिहार, राजेंद्र प्रसाद, पदमा मैडम और समारोह में ब्यावर, मसूदा, जैतारण, जवाजा, बदनौर, विजयनगर और आनन्दपुर कालू सहित अन्य स्थानीय संघों के सचिवों ने भाग लिया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए स्काउटर सुरेश फुलवारी, ताराचन्द जांगिड़, मोहन सिंह चौहान, सुरेश फुलवारी, बलराज सिंह राठौड़, मुरली मनोहर जाटव, विजय श्री, पूजा शर्मा, महेन्द्र कुमार नरवाल, गजानंद सेन, मधुमति, राजकुमारी कुमावत आदि को सम्मानित किया गया।

श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य श्री लोढ़ा ने सभी का आभार व्यक्त किया। समारोह के पश्चात श्री निरंजन आर्य ने महाविद्यालय का अवलोकन कर महाविद्यालय की व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा डॉ. पारख का आभार जताया।

कार्यक्रम का संचालन मोहन सिंह चौहान और राजकुमारी कुमावत ने किया।

सीकर जिला स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली

स्काउट–गाइड ने पूरे जोश व उल्लास के साथ हिस्सा लिया

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में दिनांक 5 मार्च से 11 मार्च तक श्याम इंटरनेशनल स्कूल परिसर के पास खाटूश्याम जी में जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता आयोजित की गई। सात दिवसीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली का 5 मार्च को शिक्षा विभाग चूरू के संयुक्त निदेशक बजरंग लाल स्वामी ने ध्वजारोहण कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वामी ने कहा कि हम सभी को स्काउट गाइड गतिविधियों को समस्त विद्यालयों में संचालित करना चाहिए जिससे कि बालकों का शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक विकास हो सके। उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सीकर हमेशा राजस्थान नहीं बल्कि पूरे देश में अच्छा मुकाम रखता है। उन्होंने बालकों को अनुशासन में रहते हुए रैली को सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर रैली में पधारे जिला कोषाध्यक्ष मामराज शर्मा, राकेश गढ़वाल निदेशक जिला शिक्षा अधिकारी समसा कार्यालय सीकर सहित अनेक अतिथियों का शाब्दिक स्वागत प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर खाटूश्याम जी महेश कुमार रेगर ने किया। वही अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

प्रतियोगिता रैली के दूसरे दिन प्रातः समाजसेवी एवं भामाशाह पवन कुमार शर्मा ने ध्वजारोहण किया। रैली के दौरान पायनियरिंग प्रोजेक्ट, स्थानीय संघ गेट, झांकी प्रदर्शन, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज, देश भक्ति गीत सहित अनेक गतिविधियों का आयोजन हुआ, जिसमें स्काउट गाइड ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं में झांकी प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। सी.ओ. स्काउट सीकर बसंत लाटा ने आगंतुक अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया वहीं जिला प्रधान बाबूलाल गुर्जर, स्थानीय संघ खाटू श्यामजी प्रधान जनार्दन शर्मा, सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी, रैली संचालक रामलाल शर्मा ने आगंतुक अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। सी.ओ. बसंत कुमार लाटा ने बताया कि रात्रि में लोकगीत प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। रैली संचालक रामलाल चौधरी ने आगंतुक अतिथियों का आभार प्रकट किया। मंच संचालन महेंद्र कुमार पारीक सचिव स्थानीय संघ सीकर व लीडर ट्रेनर पी डी कुमावत ने संयुक्त रूप से किया।

प्रतियोगिता रैली के तीसरे दिन श्याम इंटरनेशनल स्कूल खाटूश्याम जी के अध्यक्ष शेर सिंह बाजिया ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। बाजिया ने आयोजनकर्ता को रैली का शानदार आयोजन करने पर बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला प्रधान बाबूलाल गुर्जर ने कहा कि स्काउटिंग में साहसिक गतिविधियां बालकों में शारीरिक मानसिक दक्षता का विकास करती है। प्रतियोगिता रैली के तीसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें विचित्र वेशभूषा, लोकगीत, स्किलोरामा सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की गई। साहसिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया जिसमें बालकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। साहसिक गतिविधियों में टायर चिमनी, लेडर क्रॉसिंग, टायर टनल, रस्सी पर चढ़ना ,बैलेंसिंग, टायर वॉल, डिब्बे गिरना, कमांडो क्रॉसिंग, सिक्का डालना, मंकी ब्रिज, टायर क्रॉसिंग, मंकी ब्रिज, रस्सी कूद, सेल्फी प्वाइंट, पेड़

पर चढ़ना, बैलेंसिंग ऑन पेग, तीरंदाजी, रिंग फसाना सहित अनेक साहसिक गतिविधियां शामिल थी जिसका स्काउट गाइड ने भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानीय संघ द्वारा प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी ने आभार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता रैली के दौरान स्काउट गाइड ने लोकगीत प्रतियोगिता में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हुए आनंद की अनुभूति की। सी. ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने बताया कि 8 मार्च से 11 मार्च तक खाटूश्याम जी मेला सेवा शिविर का आयोजन होगा, जिसमें स्काउट द्वारा बाबा श्याम के भक्तों को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो इसके लिए विभिन्न सेवा में सहभागिता की जाएगी।

प्रतियोगिता रैली के चौथे दिन अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सी. ओ. गाइड प्रियंका कुमारी ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वही रात्रि को आयोजित हुए विशाल कैंप फायर में खाटूश्याम जी मेला मजिस्ट्रेट मोनिका सामोर ने संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड को जब भी किसी भी सेवा के लिए याद किया जाता है हमेशा उस सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। प्रतियोगिता रैली के चौथे दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें मार्च पास्ट, कलर पार्टी, आपदा प्रबंधन सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की गई।

स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली का मुख्य समारोह राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूरण सिंह शेखावत ने कहा कि यह प्रतियोगिता रैली बालकों को जीवन जीने की कला सिखाती है। वहीं अध्यक्षता कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त गाइड सुश्री सुयश लोढ़ा ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड को हमेशा अनुशासन में रहते हुए कार्य करना चाहिए।

स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह पूर्व मुख्य सचिव एवं स्काउट गाइड राजस्थान के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। श्री आर्य ने कहा कि सीकर जिले की स्काउट गाइड गतिविधि पूरे राजस्थान प्रांत के लिए अनुकरणीय उदाहरण है व पूरे राज्य में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। सीकर जिले के स्काउट गाइड का सौभाग्य है कि उन्हें ऐसे पवित्र स्थान पर प्रतियोगिता रैली करने का अवसर प्राप्त हुआ। श्री आर्य ने कहा कि समस्त स्काउट गाइड को खाटू बाबा का आशीर्वाद हमेशा बना रहे और शानदार प्रतियोगिता रैली आयोजित करने पर जिला सीकर के समस्त स्काउट गाइड पदाधिकारी, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, सदस्यों को बधाई प्रेषित की। उन्होंने स्काउट गाइड से सेवा भावना से काम करने एक दूसरे का सहयोग करने निःस्वार्थ सेवा, मां–बाप की सेवा सहित अनुशासन में रहने, आत्मनिर्भर बनने और राष्ट्र भावना को बढ़ाने और राष्ट्र के लिए हमेशा समर्पित रहने के लिए आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मुझे भी प्रथम सोपान से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक स्काउट गाइड जंबूरी में सहभागिता करने का मौका मिला। उन्होंने समस्त स्काउट गाइड को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक आगे बढ़ाने की बात कही। श्री आर्य ने कहा कि राजस्थान की हर गतिविधियों में सीकर जिला आगे रहकर पूरे राजस्थान का नाम रोशन करता है।

इससे पूर्व सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा व सी.ओ. गाइड प्रियंका कुमारी ने अतिथियों का स्कार्फ पहना कर, स्मृति चिन्ह देकर व साफा पहनाकर सम्मान किया। वहीं जिला प्रधान बाबूलाल गुर्जर ने शाब्दिक स्वागत किया। रैली संचालक रामलाल चौधरी ने प्रतियोगिता रैली का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार ने बताया कि समापन समारोह के अवसर पर प्रतियोगिता रैली में आयोजित हुई विभिन्न 18 प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय स्थान उच्च स्तर व स्टार प्राप्त करने वाले समस्त स्थानीय संघों को व ग्रुपों को प्रतीक चिन्ह व प्रमाण देकर सम्मानित किया गया। चीफ कमिश्नर शील्ड पर स्थानीय संघ शिवसिंहपुरा ने कब्जा जमाया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतिनियुक्त स्टाफ को भी मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में स्टेट कमिश्नर पूर्व डीजी आर पी सिंह ने भी स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए देश सेवा में आगे रहने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता रैली में सहयोग देने वाले भामाशाहों को भी जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली में 1455 स्काउट गाइड रोवर रेंजर स्काउट गाइड ने सहभागिता की। बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, जनार्दन शर्मा प्रधान खाटूश्याम जी, मनोज शर्मा सचिव स्थानीय संघ खाटूश्याम जी ने रैली को सफल बनाने के लिए सभी संस्था प्रधानों, विभिन्न भामाशाहों, स्काउट मास्टर, गाइड कैप्टन, रोवर लीडर, रेंजर लीडर, सचिव, कमिश्नर्स व स्काउट गाइड, रोवर रेंजर्स का आभार व्यक्त किया जिनके उत्कृष्ट प्रयास व सहयोग से यह रैली सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई।

10th Sharjah International Scout Gathering

A Participant's Journey

Aditya Shekhawat
Rover
R.T.U. Kota, Rajasthan

When I first received the news that I had been selected to represent Bharat Scouts and Guides at the 10th Sharjah International Scout Gathering, I was overwhelmed with excitement and anticipation. As a Rover, I had always dreamed of experiencing international scouting firsthand, and this opportunity was a dream come true. Held from February 8th to 17th, 2025 in Sharjah, United Arab Emirates. This event brought together over 300 scouts from 80 different countries under the theme "Scouting & Sustainable Development". Representing Bharat Scouts and Guides, we were a team of three participants:

Aditya Shekhawat from Rajasthan (myself)

Shashank D Murki from Karnataka scouts

Mohammed Najid P. from Kerala scouts

Acknowledgements

I would like to express my heartfelt gratitude to the officials from the national headquarters and my state scout office for giving me this incredible opportunity. My sincere thanks to **Dr. K. K. Khandelwal**, Chief National Commissioner; **Shri Niranjan Arya**, International Commissioner(S) & State Chief Commissioner of Rajasthan; **Smt. Darshana Pawaskar**, Director I/C and Joint Director of Guides (Program and Training); **Shri Amar B. Chettri**, Joint Director of Scouts (Program and Training) and JDSS I/C and Executive Director I/C and **Shri Arup Sarkar**, Deputy Director of Scouts (Boy Programme) and CPIO.

Arrival in Sharjah: A New World Awaits

The journey from India to the United Arab Emirates was itself an adventure. Upon landing at Dubai Airport, I was warmly welcomed by representatives of the UAE Scout Association. We were then transported to the Sharjah Scout Mission, our home for the next ten days. A well-equipped tent in Sub-Camp Milehah, provided a comfortable setting that fostered immediate camaraderie among participants.

Workshops and Sustainable Development Initiatives

One of the most impactful aspects of the gathering was the series of workshops that emphasized sustainability and leadership. The "Future of Plastic Recycling" workshop introduced us to innovative techniques for repurposing plastic waste. We witnessed firsthand the process of turning plastic into 3D printing filaments, and I was struck by the potential of such initiatives in addressing environmental concerns.

The "Planting in the Desert" session taught us how the UAE has successfully introduced over 200 plant species in its harsh climate. Learning the meticulous process of acclimatizing plants and the importance of water conservation was an eye-opener.

A highlight for me was the "Youth's Role in Climate Change" session, which featured discussions on global climate policies and the impact of greenhouse gas emissions. I was fortunate enough to answer a question correctly and received a memento from the Ministry of

Climate Change and Environment, further igniting my passion for environmental advocacy.

Other workshops included "Sustainable Water and Electricity Management," presented by the Sharjah Electricity, Water, and Gas Authority (SEWA), which explored innovative water-saving and energy-efficient practices. "Health and Well-being," part of the Health Allies initiative, emphasized the importance of physical and mental health in scouting. The "Life Skills Workshop," under the Life Leaders initiative, focused on problem-solving, emotional intelligence, and decision-making. The "Environment and Sustainability" workshop, part of the Earth Tribe initiative, introduced programs such as Champions for Nature, Scouts for Solar, and Plastic Tide Turners. Finally, the "Messengers of Peace" workshop encouraged interfaith dialogue and community engagement through World Scouting's peace-building initiatives.

Cultural Exchange: A Tapestry of Traditions

Beyond sustainability, the event was a melting pot of cultures. The "Messengers of Peace" workshop emphasized the role of scouts in fostering global harmony. Through image-based activities, we discussed the significance of cultural heritage and shared insights into traditions from various countries.

The cultural exhibition was another highlight. Representing India, my delegation set up a vibrant stall showcasing Indian scouting memorabilia, handcrafted items, and traditional attire. It was an honour to introduce visitors to India's rich culture.

The International Evening was a celebration of diversity. Donning traditional attire, we served Indian delicacies like samosas and kachoris while sampling cuisines from different nations.

Adventures in Sharjah and Dubai

One of the most exhilarating days of the gathering was our desert safari. Riding in Toyota Land Cruisers over towering dunes, the adrenaline rush was unlike anything I had ever experienced. As we paused to admire the vast expanse of golden sand, I felt a deep appreciation for the beauty of nature. The evening at the Sharjah Police Desert Park, filled with zip-lining and ATV rides, added to the thrill.

The trip to Dubai was another unforgettable experience. Although we could not ascend the Burj Khalifa, taking a group photo at its base was still remarkable. The Dubai Mall, with its massive aquarium and the breathtaking fountain show, left me in awe of the city's grandeur. However, the real magic was at the Global Village, where we explored cultural pavilions from across the world.

A Momentous Meeting: The Official Opening Ceremony

February 13th marked the official opening ceremony, attended by His Highness Sheikh Dr. Sultan bin Muhammad Al Qasimi. The grandeur of the event was awe-inspiring, with the UAE national anthem and a Quranic recitation setting a solemn yet celebratory tone. His Highness's commitment to scouting was evident as he received the "Arab Scout Merit Medal."

Following the ceremony, His Highness personally engaged with our delegation, acknowledging our participation. This moment filled me with immense pride and reinforced the importance of scouting as a bridge between nations.

The Emotional Farewell and Lessons Learned

The final day was bittersweet. Visiting the Sharjah Academy for Space Science and Astronomy, with its planetarium and detailed models of space missions, was a fitting conclusion to our journey of learning. However, as the closing ceremony approached, the realization that this chapter was ending hit hard.

We signed our sub-camp flag as a keepsake, exchanged souvenirs, and promised to keep in touch. The International Evening's dance party was our last chance to celebrate our newfound friendships.

Reflections: Bringing the Experience Home

Returning to India, I carried not just souvenirs but invaluable lessons. The gathering emphasized the role of youth in achieving the Sustainable Development Goals (SDGs) and reinforced my commitment to environmental sustainability. Inspired by the workshops, I plan to initiate plastic recycling and desert plantation projects within my local scout community.

Observing the discipline, cleanliness, and public responsibility displayed in Sharjah made me acutely aware of areas where India needs improvement. I am determined to advocate for civic education within my scout group, emphasizing respect for public spaces and gender equality.

Conclusion: A Life-Changing Experience

The 10th Sharjah International Scout Gathering was more than just an event; it was a journey of growth, learning, and international camaraderie.

I am deeply grateful to His Highness Sheikh Dr. Sultan bin Muhammad Al Qasimi and the organizers for making this experience possible. As I look ahead, I carry with me the spirit of scouting, ready to implement the lessons learned and inspire others to do the same. The friendships forged, the knowledge gained, and the memories created will forever remain a part of my scouting journey.

महिला दिवस पर महिलाओं का सम्मान

सफाईकर्मी, अधिकारी, मंत्री, उद्यमी, डॉक्टर, वकील सहित विभिन्न वर्ग की 75 महिलाएं सम्मानित

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, लालसोट ने संगठन के 75 वर्ष पूर्ण होने पर डायमंड जुबली वर्ष के तहत अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 8 मार्च को विभिन्न क्षेत्रों की 75 महिलाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण के लिए सभी महिला और पुरुषों को फ्लावर क्राउन लगाकर महिलाओं को अवसर प्रदान करने के लिए सभी को एकसाथ जुटने का आह्वान किया। इस दौरान बुलबुल, गाइड, रेंजर ने सभी का बैंड, कलर पार्टी, तिलक, फूल और बायां हाथ मिलाकर स्वागत किया। समारोह में लालसोट विधायक रामबिलास मीना, पूर्व केंद्रीय मंत्री जसकौर मीना, नगर परिषद सभापति पिंकी चतुर्वेदी, स्काउट संघ के राज्य सचिव डॉ पी.सी. जैन, ब्रज भाषा अकादमी सचिव डॉ गोपाल शर्मा, भाजपा नेता शंभू लाल कुईवाला, सीबीएसई कॉर्डिनेटर गौरव खन्ना, व्यापार महासंघ मंडावरी के अध्यक्ष सुरेश खंडेलवाल, स्काउट संघ के प्रधान पुरुषोत्तम जोशी, भाजपा नगर अध्यक्ष अनिल बुर्जा अतिथि के रूप में रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रामबिलास मीना ने कहा की हमारी सरकार की योजनाओं ने मातृशक्ति को संबल बनाने का काम किया है, चाहे प्रधानमंत्री उज्जवला योजना हो, स्वच्छ भारत मिशन हो, बेटी बचाओ—बेटी पढ़ाओ हो या ड्रोन दीदी हो। ऐसी कई हितैषी योजनाओं से मातृशक्ति सामर्थ्यवान हुई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री जसकौर मीना ने कहा की महिलाओं को स्वावलंबन की ओर बढ़ाना होगा, महिलाओं को लघु उद्योग, कुटीर उद्योग के माध्यम से स्वयं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना होगा, सभापति पिंकी चतुर्वेदी ने लालसोट पधारने के लिए सभी का स्वागत किया और कहा कि स्काउट गाइड संघ महिलाओं, बालिकाओं और युवाओं के लिए बेहतर कार्य कर रहा है।

डॉ पी.सी. जैन ने कहा कि राजस्थान में 18 लाख स्काउट गाइड महिलाओं और बालिकाओं की बेहतरी के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा की लालसोट के ऊर्जावान सचिव गंभीर मुद्दों पर कार्य कर रहे है। लालसोट संपूर्ण राजस्थान में सर्वाधिक नवाचारी संघ है।

स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा ने कहा की महिलाओं और नई पीढ़ी की बालिकाओं के लिए एक सुनहरे समाज का निर्माण हो जहां उन्हें अधिक से अधिक अवसर प्राप्त हो और महिला और पुरुष एक साथ मिलकर राष्ट्र निर्माण करें।

यूथ समिति अध्यक्ष हर्ष शर्मा, उपाध्यक्ष शिवानी सैनी, अदिति शर्मा ने सभी का माला, साफा से स्वागत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रियवृत शर्मा ने किया। इस दौरान संयुक्त सचिव निर्मला पारीक, सहायक सचिव गौरव गोयल, डॉ वरुण गौड़, अजय नागर, ब्लॉक साक्षरता प्रभारी अविनाश शर्मा, गिर्राज मीना, महेंद्र साहू, सांता किड्ज निदेशक सत्यप्रकाश स्वामी, रामखिलाड़ी मीना, वीरेंद्र जैन, नविता गौतम, सुनीता सहित रोवर रेंजर ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई।

इनका हुआ सम्मान

कार्यक्रम संयोजक और स्काउट सचिव श्रीकांत शर्मा ने बताया की कार्यक्रम में सफाईकर्मी मीरा देवी, ब्रह्माकुमारी शीतल दीदी, राष्ट्रपति अवॉर्डी सुनीता गुप्ता, राज्यपाल अवॉर्डी शिवानी सैनी, गाइड कैप्टन ज्योति शर्मा, बैंककर्मी पायल अग्रवाल, पत्रकार पूजा जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी अंजना त्यागी, कृषि मंडी सचिव ममता गुप्ता, आंगनबाड़ी सुमित्रा शर्मा, फैशन डिजाइनर अनिता जैन, महिला पार्षद सुनीता शर्मा, लेडीज क्लब निदेशक सारिका शर्मा, साहित्यकार डॉ निर्मला शर्मा, सर्वसमाजी उर्मिला शर्मा, सरपंच लाली देवी मीणा, एडवोकेट, राज्य स्तरीय भामाशाह अवॉर्डी रूक्मणी देवी, प्रिंसिपल चेतना बंशीवाल, स्कूल निदेशक माया देवी झालानी, रक्तदाता श्वेता जैन, भाषा विशेषज्ञ कनिका मिश्रा, मानक ब्यूरो डॉ श्रद्धा आर्य, पटवारी, पुलिस, वन विभाग, एंकर, मेंहदी आर्टिस्ट, मांडना विशेषज्ञ, कृषक, स्काउट आजीवन सदस्य, समाजसेवी, अग्रवाल समाज, खंडेलवाल समाज, जैन महिला संघ, ब्राह्मण महिला संघ, पटवारी, ग्राम विकास अधिकारी, लिपिक, मॉडल सहित विभिन्न वर्ग की महिलाएं सम्मानित हुई।

श्री खाटूश्याम जी मेला स्काउट गाइड सेवा शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सीकर के तत्वावधान में 28 फरवरी से 11 मार्च तक श्री खाटूश्याम जी मेला सेवा शिविर धूमधाम से संपन्न हुआ।

सेवा शिविर समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने कहा कि मानव सेवा से ही पुण्य और लाभ अर्जित होता है। ऐसे मेलों में आए हुए भक्तों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और इसी से हम सबको तरक्की और लक्ष्य की प्राप्ति होती है। इसलिए हमें ऐसे सेवा शिविरों में सहभागिता करनी चाहिए। श्री आर्य ने जिला मुख्यालय सीकर के समस्त पदाधिकारियों को शानदार सेवा शिविर आयोजित करने के लिए बधाई प्रेषित की।

सेवा शिविर का शुभारंभ संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग चूरू बजरंग लाल स्वामी ने किया। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने बताया कि सेवा शिविर में कुल 1528 स्काउट गाइड, रोवर रेंजर ने कुल 2,11,500 घंटे (2 लाख 11 हजार पांच सौ घंटे) निःशुल्क सेवाएं प्रदान की।

इस मेला सेवा शिविर में सीकर के स्थानीय संघ दाता, धोद, खंडेला, लक्ष्मणगढ़, नीमकाथाना, पाटन, पलसाना, सीकर, रींगस, थोई, अजीतगढ़ श्रीमाधोपुर, खाटूश्यामजी, शिवसिंहपुरा, फतेहपुर के स्काउट गाइड ने सेवाएं प्रदान की। वही राजस्थान के जयपुर, कोटपूतली, अलवर, दौसा, सवाई माधोपुर व पाली, गंगानगर के रोवर रेंजर सहित अध्यापक अध्यापिकाओं ने निःशुल्क मानव सेवाएं प्रदान की।

स्काउट गाइड द्वारा मेला सेवा शिविर में खोया पाया जिसमें मोबाइल, पायजेब, एटीएम कार्ड, नकद राशि सहित अनेक सामग्री संबंधित को लौटाकर सेवा धर्म निभाया तथा स्काउट भावना के साथ ईमानदारी का परिचय दिया। वहीं उद्घोषणा के दौरान स्काउट गाइड ने खोए हुए लोगों को अपने परिजनों से मिलवाया। स्काउट गाइड ने पूछताछ, बैरिकेडिंग, 13 किलोमीटर के एरिया में जल सेवा, कतार लगाना, सुरक्षा व्यवस्था, प्राथमिक सहायता जैसी अनेक सेवाएं प्रदान की।

मेला सेवा शिविर में राज्य संगठन आयुक्त स्काउट पूरण सिंह शेखावत, कार्यवाहक राज्य संगठन आयुक्त गाइड सुयश लोढ़ा, स्टेट कमिश्नर आर.पी. सिंह, जिला कोषाध्यक्ष मामराज शर्मा, मुकुल शर्मा जिला कलक्टर सीकर, मोनिका सामोर मेला मजिस्ट्रेट एवं उपखंड अधिकारी दातारामगढ़, बजरंग लाल स्वामी संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग चूरू संभाग, शीशराम कुल्हरि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य जिला आयुक्त, राकेश गढ़वाल सहायक निदेशक मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीकर, पृथ्वी सिंह चौहान अध्यक्ष श्री श्याम मंदिर कमेटी श्री खाटूश्याम जी सहित अनेक जिला स्तरीय व राज्य स्तरीय अधिकारियों ने भी स्काउट गाइड की सेवाएं देखकर भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए बाबा श्याम से स्काउट गाइड के उज्जवल भविष्य के कामना की।

जिला अध्यक्ष बाबूलाल गुर्जर ने समस्त स्काउट गाइड रोवर रेंजर को उनके द्वारा प्रदत्त शानदार सेवाओं के लिए आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रियंका कुमारी सी.ओ. गाइड, जनार्दन शर्मा, महेश कुमार रेगर, गिरधारी लाल डाबर, रामलाल चौधरी, किशनलाल सियाक, दिलीप तिवारी, मनोज कुमार शर्मा, बाबूलाल मीणा, प्रभु दयाल कुमावत, महेंद्र कुमार पारीक, शीशपाल सैनी, पवन कुमार शर्मा, सांवरमल छब्बरवाल, सुवालाल कुमावत, महेंद्र सिंह पूनिया, जगदीश प्रसाद बाजिया, अलिताभ धोबी, रीटा शर्मा, शारदा चौधरी, पूजा महावर, उर्मिला देवी, अरुणा शर्मा सहित स्काउट, गाइड, रोवर रेंजर सदस्य, स्काउट गाइड पदाधिकारी मौजूद रहे।

सह शैक्षिक गतिविधियों में शामिल स्काउटिंग

◇ अनुकम्पा अरडावतिया
झुन्झुनूं

इस सेवाभावी संगठन से छात्र-छात्राएं ही नहीं जोड़े जाते बल्कि एक शिक्षक, संस्था प्रधान अपने पदों के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करता है और विभिन्न उपाधियों को प्राप्त करता है।

संस्था प्रधान के लिए बेसिक कमिश्नर कोर्स है जिसका प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करते हुए एडवान्स कोर्स करते है। एक बेसिक कोर्स स्काउटर गाइडर एडवांस कोर्स, हिमालय वुडबेज, एएलटी, एलटी उपाधियां प्राप्त करता हैं और प्रशिक्षक के रूप में कार्य करता हैं।

"हमारे मनीषियों का वेद वाक्य है,
"या विद्या सा विमुक्तए"

अर्थात विद्या वह है जो मुक्त करती है अज्ञानता से।

अतः हम कह सकते हैं कि मात्र शैक्षिक गतिविधियों के द्वारा हम बच्चों को पुस्तकीय ज्ञान देकर जिविकोपार्जन लायक बनाने में सक्षम है लेकिन बच्चों का सर्वांगीण विकास कर सुयोग्य नागरिक बनाने में सक्षम नहीं है। ऐसी शिक्षा एकांगी होगी। अतः बालक के सर्वांगीण विकास एवं सुयोग्य नागरिक बनाने हेतु विद्यालय में सह शैक्षिक गतिविधियों का संचालन आवश्यक है।

इन प्रवृत्तियों के माध्यम से बालक में निहित विभिन्न शक्तियों को बाहर निकाल ने के अवसर मिलेंगे साथ ही मानसिक शारीरिक नैतिक सामाजिक मूल्यों का विकास भी करने में सक्षम होंगे।

यूं तो विद्यालय में संचालित सह शैक्षिक गतिविधियां अनेकों है जिनमें मुख्य रूप से विद्यालय में संचालित प्रवृतियां खेल कूद, बालसभा, संगीत, गायन, वाद–विवाद प्रतियोगिता, भाषण, सामान्य ज्ञान, उत्सव एवं जयन्तिया, वृक्षारोपण, एनएसएस, एनसीसी, स्काउटिंग गाइडिंग।

ऊपर वर्णित समस्त प्रवृतियां स्काउटिंग गाइडिंग में समाहित है। अतः स्काउटिंग गाइडिंग को इन सभी प्रवृत्तियों की जननी कहें तो अत्युक्ति नहीं होगी। स्काउटिंग के अतिरिक्त अन्य प्रवृतियां किसी एक उद्देश्य को पूरा करती है लेकिन स्काउटिंग गाइडिंग बालक की समस्त क्षमताओं को विकसित कर सर्वांगीण विकास कर विभिन्न विपरीत परिस्थितियों में जीने की कला सीखाती है साथ ही अनुशासित रह कर सेवा का पाठ भी पढ़ाती है।

इस गतिविधि द्वारा अनुशासन का प्रशिक्षण, नेतृत्व का विकास, चरित्र निर्माण, समानता, सहनशीलता की भावना श्रम के प्रति निष्ठा, स्वावलंबन, राष्ट्रीय एकता की भावना, पर्यावरण व पशु पक्षी प्रेमी आदि गुण बच्चों में समाहित किए जा सकते हैं।

स्काउटिंग विश्व आकाश पर फैली ऐसी संस्था है जो मानव मात्र ही नहीं पशु पक्षियों के कल्याण की प्रत्येक विषय वस्तु को गंभीरता से लेती है। स्काउटिंग शिक्षा का पूरक कार्यक्रम है। शिक्षा मात्र सूचनात्मक है जबकि स्काउटिंग उसे व्यावहारिक रूप प्रदान कर न्यूनतम साधन सुविधाओं में उच्च स्तरीय जीवन की कला प्रदान करती है इतना ही नहीं जहां कबिंग स्काउटिंग व रोवरिंग आयु वर्ग के अनुसार युवाओं तक मनोवैज्ञानिक व्यवहार आधारित व्यक्तित्व विकास की शिक्षा देने पर तत्पर व सक्रिय है वही ब्लू वर्ल्ड अर्थात बुलबुल गाइडिंग व रेंजरिंग बालिकाओं को भी समानांतर प्रणाली से ही सुनागरिकता की शिक्षा के द्वारा व्यवहारिक ज्ञान देने हेतु नारी सशक्तिकरण की दशा में क्रियाशील है।

अतः विद्यालय में अध्ययनरत बालक बालिकाओं के समग्र विकास के लिए देश के सुयोग्य सेवाभावी अनुशासित नागरिक तैयार करने के लिए स्काउटिंग गाइडिंग से जुड़ना आवश्यक है।

स्काउटिंग का संक्षिप्त इतिहास

स्काउटिंग के जन्मदाता लॉर्ड बेडेन पावेल है, जिन्होंने अपने सैन्य जीवन में विभिन्न पदों पर रहते हुए सैनिकों की कमी महसूस की और विचार किया...क्यों न बच्चों को नवयुवकों को जिनमें असीम शक्ति साहस है उन्हें इकट्ठा कर जासूसी चौकीदारी प्राथमिक सहायता पोस्टमैन पायनियरिंग आदि से प्रशिक्षित किया जाकर सेना के सीमित क्षेत्र से खींच कर जनसाधारण के बालक बालिकाओं तक लाने का प्रयास किया जाये? और उसमें सफलता भी प्राप्त की।

इस प्रकार 1907 में 20 बालकों को लेकर पहला कैंप ब्राउन सी आईलैंड में संचालित किया और सफल हुए। 1910 में उन्हीं की बहन एग्नेस ने सात लड़कियों से गर्ल गाइडिंग की शुरुआत की।

भारत में स्काउटिंग की शुरुआत

1909 में केटी और डेकर द्वारा भारत में बेंगलुरु में स्काउटिंग का श्रीगणेश किया

गया। 1911 में श्रीमती एनी बेसेंट द्वारा भारत में भी गाइडिंग की शुरुआत की गई। 1916 में संपूर्ण भारत में स्काउटिंग की शुरुआत हो गई।

आज पूरे विश्व में 216 देशों में स्काउटिंग संचालित है यह विश्व स्तर का आंदोलन है और विश्व का सबसे बड़ा युवा संगठन है जो यूनिफॉर्म में रहता है और प्राकृतिक आपदाएं हो या अन्य अवसर अपनी व दूसरों की सहायता करता है विकट परिस्थितियों में जीवन जीने की कला सिखाता है यह शैक्षिक आंदोलन है और स्वैच्छिक संगठन है। इसमें उत्तम नागरिकता का पाठ पढ़ाया जाता है खाली समय का सदुपयोग सिखाया जाता है प्रकृति से तालमेल भी सिखाता है।

एक सरकारी कर्मचारी अपनी सेवा के निश्चित 60 वर्ष पूरे करने पर सेवा से निवृत्त हो जाता है लेकिन इस सेवा संगठन से जुड़ा कार्मिक या सामान्य व्यक्ति आजीवन सेवा कार्य कर सकता है।

इस सेवाभावी संगठन से छात्र–छात्राएं ही नहीं जोड़े जाते बल्कि एक शिक्षक, संस्था प्रधान अपने पदों के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करता है और विभिन्न उपाधियों को प्राप्त करता है।

संस्था प्रधान के लिए बेसिक कमिश्नर कोर्स है जिसका प्रशिक्षण प्राप्त कर अपनी योग्यता अभिवृद्धि करते हुए एडवान्स कोर्स करते हैं। एक बेसिक कोर्स स्काउटर गाइडर एडवांस कोर्स, हिमालय वुडबेज, एएलटी, एलटी उपाधियां प्राप्त करता हैं और प्रशिक्षक के रूप में कार्य करता हैं।

विद्यालय स्काउटिंग का संचालन कैसे?

इसके लिए विद्यालय में ग्रुप का निर्धारण कर रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है जो स्थानीय स्तर पर ब्लाक लेवल अधिकारियों द्वारा किया जाकर राज्य स्तर पर अनुशंसा की जाकर चार्टर जारी किया जाता है। विद्यालय में स्काउटिंग गतिविधि चलाने के लिए किसी अध्यापक अध्यापिका का प्रशिक्षित होना आवश्यक है प्रशिक्षण हेतु समय–समय पर प्रशिक्षण शिविर लगाए जाते हैं और ग्रुप संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाते है।

प्रशिक्षित स्काउटर गाईडर द्वारा जिला मुख्यालय द्वारा जारी वार्षिक कैलेंडर के अनुसार निर्धारित प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाते है जिसमें बालक बालिकाओं की रुचि और उत्साह के अनुसार, आयु वर्ग के अनुसार प्रशिक्षण दिया जाता हैं। आज अधिकांश विद्यालयों में कक्षा 1 से 12 तक कक्षाएं संचालित है और लगभग अध्ययनरत बच्चों की आयु 5 से 18 वर्ष तक होगी। उनको आयु वर्ग के अनुसार प्रशिक्षित किया जाता है 5 से 10 वर्ष तक आयु वाले बालक बालिका को कब व बुलबुल के रूप में प्रशिक्षित कर भरसक प्रयत्न करो का मूल मंत्र दिया जाता है 10 से 18 वर्ष तक आयु वाले बालक बालिकाओं को स्काउट और गाइड के रूप में प्रशिक्षित कर तैयार रहो का मूल मंत्र सिखाया जाता है। 16 से 25 आयु के बालक बालिकाओं को रोवर रेंजर के रूप में प्रशिक्षित कर सेवा का मूल मंत्र दिया जाता है तीनों आयु वर्ग के कब बुलबुल, स्काउट गाइड, रोवर रेंजर को विभिन्न चरणों व निश्चित अवधि में प्रशिक्षित किया जा कर प्रमाण पत्र, बेज, अलंकार, पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं कब बुलबुल के लिए सर्वोच्च पुरस्कार गोल्डन एरो हीरक पंख है स्काउट गाइड और रोवर रेंजर के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार सर्वोच्च पुरस्कार है जिस पर राष्ट्रपति महोदय स्वयं हस्ताक्षर करते हैं। इतना ही नहीं स्काउटिंग विश्व का ऐसा संगठन है जो सभी स्तर के क्रियाशील कार्मिकों को भी धन्यवाद बेज, बार टू मेडल ऑफ मेरिट, मेडल ऑफ मेरिट, सिल्वर स्टार, सिल्वर एलीफेंट जैसे राष्ट्रीय स्तर के अलंकरण से अलंकृत करता है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण व गतिविधियों हेतु राशि भारत स्काउट गाइड द्वारा ही वहन की जाती है। अन्य गतिविधियों शिविरों आदि में भाग लेने वाले स्काउट गाइड के लिए राशि छात्र कोष से की जाने की अनुमति विभाग द्वारा दी हुई है। एसडीएमसी से भी प्रस्ताव लेकर व्यय किया जा सकता है।

भविष्य में स्काउट गाइड के लिए संभावनाएं

स्काउट गाइड का राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार प्राप्त स्काउट गाइड रेलवे भर्ती के लिए आवेदन करने हेतु पात्र हैं। स्काउट गाइड के लिए विभिन्न जोन में स्पेशल भर्ती निकाली जाती है, जिसमें स्काउट गाइड ही आवेदन कर सकते हैं। सर्कल ऑर्गेनाइजर जो हमारे जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं उनकी नियुक्ति भी राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त स्काउट गाइड और स्नातक की डिग्री है वहीं छात्र पात्र होता है।

स्काउटिंग गतिविधि जिस विद्यालय में संचालित हैं और प्रशिक्षित स्काउटर गाइडर नियुक्त है वहां स्काउटर गाइडर को सामान्यीकरण से प्रथक रखा जाता है यदि हटाया जाना आवश्यक है तो उन्हीं विद्यालय में पदस्थापन किया जाता है जहां पर यह गतिविधि संचालित हो रही हो।

बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा से ही अच्छा स्काउट गाइड बनाने के लिए जयपुर के जगतपुरा में बालचर आवासीय विद्यालय भी खोला गया है जिसमें राज्य के सभी जिलों के बालचर अध्ययनरत हैं। कक्षा 6 में प्रवेश लेकर यहां अध्ययनरत बच्चे यूनिफॉर्म में अध्ययन के साथ–साथ सेवा कार्य या स्काउट गाइड से जुड़ी हुई सभी गतिविधियों में भाग लेते हुए अध्ययनरत हैं।

अतः हम कह सकते हैं कि स्काउटिंग उत्तम नागरिकता की पाठशाला है, एक शिक्षाप्रद खेल है, खाली समय का सदुपयोग है। यह प्रसन्नता दायक वातावरण प्रदान कर प्रकृति से तादात्म्य स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देती है।

जय भारत जय स्काउट

अजमेर जिला रैली

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, अजमेर के निर्देशन में स्थानीय संघ अराई के तत्वावधान में जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली का आयोजन 7 से 11 मार्च 2025 तक स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र पुष्कर घाटी पर किया गया। रैली का शुभारंभ श्री कृष्ण गोपाल वैष्णव उपाध्यक्ष जिला स्काउट गाइड अजमेर के मुख्य आतिथ्य, श्री सत्यनारायण वैष्णव जिला सचिव अजमेर की अध्यक्षता, श्रीमती वीणा अग्रावत जिला शिक्षा अधिकारी, श्री विनोद दत्त जोशी सहायक राज्य संगठन आयुक्त अजमेर के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। सभी अतिथियों का गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा स्वागत किया गया।

प्रतियोगिता रैली में लगभग 7 स्थानीय संघों के सैकड़ों स्काउट गाइड ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर मार्च पास्ट, भाषण प्रतियोगिता, अभिलेख, क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, कैंप क्राफ्ट, समाज सेवा, प्राथमिक सहायता प्रतियोगिता में आनंद व उत्साह के साथ भाग लिया।

कृष्ण गोपाल वैष्णव ने राष्ट्रीय जंबूरी की तर्ज पर आधारित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं अपने जीवन में स्काउट गाइड कौशल को अपनाने के लिए बताया।

सत्यनारायण वैष्णव जिला सचिव ने सभी स्काउट गाइड को स्काउट शिविर के दैनिक कार्यक्रम को अपने जीवन में अपनाने के लिए जोर दिया।

विनोद दत्त जोशी सहायक राज्य संगठन आयुक्त मंडल अजमेर ने सभी संभागियों को जिला रैली के प्रमाण पत्र की महत्ता के बारे में बताया। साथ ही स्काउट गाइड योग्यता वृद्धि के सोपान, राज्य पुरस्कार, राष्ट्रपति अवार्ड के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन नरेंद्र खोरवाल सी.ओ. स्काउट जिला अजमेर ने किया। रैली आयोजक सचिव स्थानीय संघ अराई दीपक चोपड़ा ने सभी का शाब्दिक स्वागत अभिनंदन किया। ट्रेनिंग काउंसलर नसीर काठात ने संभागियों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में स्थानीय संघ किशनगढ़, ब्यावर, नसीराबाद, मसूदा के सचिव मौजूद रहे।

CELEBRATIONS DAYS : APRIL-MAY 2025

07 April	**:**	**World Health Day**
22 April	**:**	**World Earth Day**
23 April	**:**	**World Book Day**
15 May	**:**	**World Family Day**
18 May	**:**	**International Museu Day**
22 May	**:**	**International Day for Biological Diversity**
30 May	**:**	**Hindi Journalism Day**
31 May	**:**	**World No-Smoking Day**

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि दर्पण

भरतपुर मण्डल

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में 18 फरवरी को प्रकृति अध्ययन शिविर के तहत स्काउट गाइड दल सरिस्का वन्य जीव अभ्यारण के लिए सर्किट हाउस से रवाना हुआ। अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमराज परिड़वाल एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि जिला स्काउट

गाइड भवन पर तीन दिवसीय आवासीय प्रकृति अध्ययन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि मानव मात्र के भविष्य के लिए प्रकृति का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्काउट गाइड को यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा की वन एवं वन्य जीवन का संरक्षण अति आवश्यक है। हमारे जीवन यापन की अधिकांश सामग्री वनों से ही प्राप्त होती है लकड़ी, गोंद, विभिन्न तरह की दवाइयां, कंद मूल, फल, जड़ी बूटी, इमरती लकड़ियां वनों से प्राप्त होती है। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सर्वेश कुमार गुप्ता ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए गए पेड़ों का संरक्षण करने में स्काउट गाइड अपनी महत्ती की भूमिका अदा करें। इससे पूर्व दिनांक 17 फरवरी को प्रकृति अध्ययन शिविर का उद्घाटन करते हुए महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र गणेश चंद्र शर्मा ने शिविर का झंडा फहराकर उद्घाटन किया। इससे पूर्व अतिथियों का स्काउट संगठन की रीति के अनुसार स्कार्फ पहनाकर सचिव स्थानीय संघ मुकेश कुमार सारस्वत, ट्रेनिंग काउंसलर गणेश चंद शर्मा, राजेश कुमार सारस्वत, राजेश कुमार गुर्जर, सुरेश चंद्र, सपना सारस्वत, उर्वशी सारस्वत ने स्वागत किया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में 27 फरवरी को जिला स्काउट गाइड भवन में आयोजित किए जा रहे कम्युनिटी डवलपमेंट सेमिनार के उद्घाटन समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय करौली इंद्रेश तिवारी ने कहा की स्काउट गाइड

सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं और पीड़ित मानव को सहायता प्रदान कर खुशी का अनुभव करते हैं। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की जिला शिक्षा अधिकारी इंद्रेश तिवारी ने जिला स्तरीय कम्युनिटी डेवलपमेंट सेमिनार के उद्घाटन अवसर पर कहा की स्काउट गाइड सेवा का पर्याय है और अकाल बाढ़ तूफान एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं के समय पूर्ण समर्पण के साथ सेवा के लिए तत्पर रहते हैं। उन्होंने स्काउट गाइड से कहा की पीड़ित की सेवा करना सबसे पुनीत कार्य है। जिला शिक्षा अधिकारी करौली के शिविर में पहुंचने पर सहायक शिविर संचालक सुरेश चंद शर्मा के नेतृत्व में स्काउट मास्टर के एक दल ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने मां सरस्वती के चित्रपट पर दीप प्रज्वलन कर सेमिनार का उद्घाटन किया। शिविर संचालक यादराम आर्य एवं सहायक शिविर संचालक रामानंद आजाद ने संगठन का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। सहायक शिविर संचालक मेघराज माली ने बताया कि शिविर में 29 स्काउट मास्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर राज्य पुरस्कार रोवर निलेश जंगम, लव कुश मंगल, निकिन जाटव, करिश्मा राठौर, अंजलि मीणा आदि उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में 1 से 5 मार्च 2025 तक जिला स्काउट गाइड भवन में आयोजित किए जा रहे अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर के संभागियों द्वारा 3 मार्च को आयोजित जल संरक्षण जन जागृति रैली को हरी झंडी दिखाते

हुए जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक शिक्षा करौली ने स्काउट गाइड से अपील की कि वह आमजन को बूंद बूंद जल को बचाने के लिए प्रेरित करें। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविर के संभागियों के द्वारा इको क्लब के तहत जल संरक्षण जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसको पुरानी नगर पालिका पर हरी झंडी दिखाकर जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक इंद्रेश तिवाडी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड बालक बालिकाओं को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि स्काउट गाइड अपने–अपने परिजनों साथियों गांव वासियों को जल संरक्षण हेतु प्रेरित करें एवं स्वयं भी जल का संरक्षण करें। जल हमारे कल के लिए अत्यावश्यक है जल के बिना सब कुछ सुन है। आदमी खाना खाए बगैर रह सकता है परंतु पानी पिए बगैर नहीं रह सकता इसलिए जल का संरक्षण सभी को करना चाहिए। इससे पूर्व संचालक मेघराज माली ने भी संबोधित किया। जल संरक्षण रैली का नेतृत्व स्काउट मास्टर राजेश सिंह गुर्जर, राधा मोहन गुर्जर, महेंद्र कुमार, सौरभ कुमार जैतवाल, राज्य पुरस्कार रोवर श्यामू सेन, लव कुश मंगल आदि ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति रोवर मान प्रकाश शर्मा, रोवर लीडर धर्मराज गुर्जर आदि उपस्थित थे। स्काउट गाइड ने रैली के दौरान आमजन से जल को बचाने की अपील की। रैली पुरानी नगर पालिका से प्रारंभ होकर फूटा कोट अनाज मंडी बड़ा बाजार सब्जी मंडी भू डारा बाजार गणेश गेट हटरिया होती हुई स्काउट गाइड कार्यालय पर संपन्न हुई।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वाधान में आयोजित अनुसूचित जाति जनजाति स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर में 4 मार्च को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुमनाराम ने शिविर संभागियो को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड का पांचवा नियम है कि वह पशु पक्षियों का मित्र एवं प्रकृति प्रेमी होता है, वह इसके लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। वे ग्रीष्म ऋतु में पशु पक्षियों के पानी की व्यवस्था के लिए परिंडे लगाएं एवं उनकी सफाई कर पशुओं के लिए पानी भरे। उन्होंने कहा कि वह अपने मित्रों पड़ोसियों परिचितों एवं परिवार जनों को दोपहिया वाहन पर चलते समय हेलमेट का प्रयोग करने के लिए आग्रह करें। उन्होंने घटित घटना का जिक्र करते हुए फोटो दिखाकर बताया कि दो पहिया वाहन चालक के बिना हेलमेट चलने से उसकी दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। यदि वह हेलमेट पहने हुए होता तो उसकी जान बच सकती थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने स्काउट गाइड बालक बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि उनका पहला उद्देश्य पढ़ाई करना है और अंतिम उद्देश्य भी पढ़ाई करना है। जो युवक 20 वर्ष तक मेहनत करता है वह अगले दुगने वर्ष तक आराम का जीवन जीता है। इसलिए अधिक से अधिक मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर श्री गुमनाराम ने कहा कि साइबर अपराध इस समय अत्यधिक मात्रा में हो रहे हैं उनसे बचने के लिए भी स्काउट गाइड को लोगों को प्रेरित करना चाहिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के शिविर में पहुंचने पर स्काउट गाइड दल ने सहायक शिविर संचालक गणेश चंद शर्मा, महेंद्र कुमार के नेतृत्व में गार्ड ऑफ ऑनर दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के शिविर में पहुंचने पर शिविर संचालक मेघराज माली, राजेश सिंह गुर्जर, स्काउट मास्टर सौरभ जैतवाल, राज्य पुरस्कार रोवर लव कुश मंगल ने स्कार्फ पहना कर स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति रोवर मान प्रकाश शर्मा, रोवर लीडर धर्मराज गुर्जर के साथ–साथ कई विद्यालयों के 110 स्काउट गाइड रोवर रेंजर उपस्थित थे।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बखतपुरा में 10 मार्च को सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड बालक बालिकाओं ने महसूस किया कि सिंगल यूज प्लास्टिक हमें एवं हमारी गौ माता के लिए अत्यंत खतरनाक है। इसलिए गौ माता को बचाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे एवं गांव को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाएंगे। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की जिले में जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, नशा मुक्ति, स्वच्छता, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सड़क सुरक्षा की जागरूकता के लिए अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्काउट गाइड

बालक बालिकाओ को जागृत करने के उद्देश्य से निबंध, पोस्टर, भाषण, क्विज प्रतियोगिता एवं जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड बालक बालिकाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक अभिषेक कुमार शर्मा ने बालक बालिकाओं से कहा कि हमारा देश सिंगल यूज प्लास्टिक का विश्व का तीसरा उत्पादक देश है और अभी तक कई बिलियन टन सिंगल यूज प्लास्टिक का उत्पादन हो चुका है जबकि इसका रीसाइकल केवल एक बटे 9 भाग का ही हुआ है। इस अवसर पर स्वयं सी. ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने विद्यालय में लगे हुए बरगद के पेड़ों की प्रशंसा करते हुए उनके महत्व के बारे में प्रायोगिक रूप से बताया और कहा कि आज हम इन पेड़ों के होने से छाया में बैठे हैं अन्यथा हमें धूप में बैठने के लिए विवश होना पड़ता। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में स्थानीय संघ करौली के सचिव मुकेश कुमार सारस्वत ने सिंगल यूज प्लास्टिक को मानव जीवन के लिए अत्यंत हानिकारक बताते हुए गौ माता के लिए भी विष बताया। स्थानीय विद्यालय के अध्यापक प्रताप सिंह बैरवा ने सिंगल यूज प्लास्टिक को पर्यावरण के लिए भी हानिकारक बताया। स्काउट मास्टर सुरेश चंद चौवदार अध्यापक ने कविता के माध्यम से सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों के बारे में बालक बालिकाओं को समझाया। आयोजित निबंध प्रतियोगिता में 23 बालक बालिकाओं, पोस्टर प्रतियोगिता में 45 बालक बालिकाओं, जबकि नारा लेखन में 50 बालक बालिकाओं ने भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम निकिता ने द्वितीय स्थान काजल ने नारा लेखन में प्रथम स्थान पायल जाटव द्वितीय स्थान रौनक जादौन ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिंस मयंक जबकि द्वितीय स्थान मुस्कान जाटव ने प्राप्त किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, करौली के तत्वावधान में 12 मार्च को पीएम श्री श्रीमती कमला रानी रामप्रकाश खंडेलवाल महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय कैलादेवी में ऊर्जा संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश अवस्थी ने स्काउट गाइड एवं उपस्थित बालक बालिकाओं को संबोधित करते हुए ऊर्जा के संरक्षण पर प्रकाश डाला। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने बताया की कैला देवी स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में ऊर्जा संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें पोस्टर निबंध भाषण नारा लेखन एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णायक स्थानीय विद्यालय का स्टाफ के सदस्य विमलेश शर्मा, गगन शर्मा, पूजा गोस्वामी, दयाराम गुर्जर, राजेंद्र सेमरा, दीनदयाल, गणेश चंद शर्मा रहे। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एलबीएस विद्यालय कैला देवी के स्काउट रामराज सैनी द्वितीय स्थान पर महात्मा गांधी विद्यालय कैला देवी का धीरज सेन, नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर महेंद्र महावर द्वितीय स्थान पर आरती प्रजापत जबकि पोस्टर प्रतियोगिता में लक्ष्मी जाटव प्रथम पूजा कोहली द्वितीय स्थान पर रहे। इस अवसर पर आयोजित कार्यशाला मैं प्रधानाचार्य रजनीश अवस्थी ने कहा कि हमारी सारी मशीनरी ऊर्जा पर ही आधारित है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को ऊर्जा के संरक्षण का प्रयास करना चाहिए। कार्यशाला में उप प्रधानाचार्य अवधेश कुमार मीणा, अध्यापक बृज बिहारी शर्मा, स्काउट मास्टर शैलेश अग्रवाल, गणेश चंद शर्मा स्काउट मास्टर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सी.ओ. स्काउट अनिल कुमार गुप्ता ने स्काउट गाइड बालक बालिकाओं को ऊर्जा संरक्षण की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में एसडीएमसी सदस्य राजू लाल मीणा, पप्पू वाल्मीकि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महात्मा गांधी विद्यालय, एलबीएस विद्यालय एवं अन्य स्थानीय विद्यालयों के 250 स्काउट गाइड बालक बालिकाओं ने भाग लिया।

बीकानेर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की नेशनल ग्रीन कोर योजना के तहत स्काउट गाइड कार्यालय में 20 मार्च को जिले के 50 इको क्लब प्रभारियों की आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रचार प्रसार हेतु जिले के श्रेष्ठ 50 इको क्लब विद्यालयों का चयन कर उन्हें 2500 की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। आमुखीकरण कार्यशाला में उपस्थित इको क्लब प्रभारियों को वर्ष पर्यंत किए जाने वाले कार्यों की कार्य योजना से अवगत कराया गया तथा उन्हें मासिक रिपोर्ट, उपयोगिता प्रमाण पत्र

एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न दिवस, पर्व मनाने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनसूईया सिंह ने कहा कि समन्वित प्रयासों से ही पर्यावरण का संरक्षण किया जा सकता है, हमें आने वाली बरसात में अधिक से अधिक पौधारोपण करते हुए उन्हें सुरक्षित करने का प्रयत्न करना है ताकि झुंझुनू जिले की हरियाली और अधिक बढ़ सके। इस अवसर पर प्रांत संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि राजस्थान जयपुर अशोक कुमार शर्मा ने वृक्ष कथा एवं वृक्ष महाआरती का भव्य पाठ किया। स्काउट गाइड के माध्यम से जिले में यह एक अभिनव प्रयोग करते हुए वृक्ष कथा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें कार्यक्रम समाप्ति पर वृक्ष की आरती भी की गई जिसे देखकर सभी ने अपने जीवन में अधिकाधिक पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र कुमार खीचड़, जिला कमिश्नर गाइड डॉ. राजबाला ढाका, एडल्ट रिसोर्स कमिश्नर प्रहलाद राय जांगिड़, सी.ओ. गाइड सुभिता महला, एसीबीईओ अशोक पूनिया, एडीसी प्रतिनिधि चिरंजीलाल सैनी सहित विभिन्न स्थानों के सचिव, प्रभारी कमिश्नर्स, इको प्रभारी इको क्लब सदस्य एवं स्काउट गाइड उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला स्तरीय पर्यावरण मेले का आयोजन भी किया गया। जिसमें श्रेष्ठ इको क्लब के स्काउट गाइड, रोवर रेंजर्स एवं इको क्लब सदस्यों ने सहभागिता की तथा विभिन्न प्रकार के पर्यावरण संरक्षण से संबंधित प्रतिदर्श भी प्रदर्शित किए गए, जिसमें पी एम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजगढ़ के गाइड प्रथम, महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय छावश्री का इको क्लब द्वितीय तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुकाना के स्काउट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में 22 मार्च को भारत सरकार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की नेशनल ग्रीन कोर योजना के तहत इको क्लब गतिविधियों के अंतर्गत स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में विश्व जल दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित स्काउट्स गाइड्स, रोवर्स रेंजर्स को संबोधित

करते हुए सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने कहा कि वर्तमान समय में जल का संरक्षण महती आवश्यकता है, यदि जल बचेगा तो ही हमारा जीवन बचेगा अर्थात जल है तो कल है। हमें वर्षा जल का संग्रहण करना चाहिए तथा आवश्यकता के अनुरूप ही जल का उपयोग करें ताकि भविष्य की पीढ़ी हेतु भी यह प्राकृतिक संसाधन सुरक्षित रह सके एवं उनके उपयोग में आ सके। हमें अपने जीवन में प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन नहीं करते हुए उन्हें सीमित मात्रा में ही उपयोग में लें। इस अवसर पर कालावत ने सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। इस अवसर पर स्काउट गाइड्स ने जल संरक्षण पर विभिन्न प्रकार के नुक्कड़ नाटक, प्रतिज्ञा ली गई एवं कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान जल संरक्षण पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. गाइड सुभिता महला, स्काउट प्रभारी राजकुमार सैनी, मनीषा सैनी, कपिल शर्मा, गाइड कैप्टन अंजू कुमारी, सुरेंद्र कुमार, अमरचंद, दिनेश कुमार, नवीन गौतम सहित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने वाले स्काउट गाइड रोवर्स रेंजर्स उपस्थित रहे।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, थोई (सीकर) के तत्वावधान में अविनाशी धाम के ध्वजावंद मेला में सेवा शिविर आयोजित किया। इसमें स्काउट मास्टर्स, रोवर्स व स्काउट्स ने सेवा दी। प्रातःकालीन से ही यात्रियों को पानी पिलाना, सड़क

पर साधनों को व्यवस्थित करना, निशान इकट्ठा करना, भोजन प्रसादी में सेवा देने व मेले की व्यवस्था करने का कार्य किया गया। इस मौके पर सचिव सुवालाल कुमावत के नेतृत्व में, सहायक सचिव घासीराम वर्मा, स्काउट मास्टर अभीर सिंह, विजेंद्र टेलर, सुनाराम, बुधराम, राम प्रसाद भास्कर (जिला युथ सचिव), व स्काउट एवं रोवर्स ने अपने तन मन से उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के तहत जे.आर.मेमोरियल सी.से. स्कूल चक स्थानीय संघ दांता, जिला सीकर में प्रदूषण नियंत्रण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्रदूषण निवारण हेतु

पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत चक के सरपंच श्योजी राम बुरड़क, विद्यालय के स्टाफ सदस्य व अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सरपंच शिवजी राम ने कहा कि स्काउट गाइड सदस्य पर्यावरण संरक्षण के लिए हमेशा ही आगे रहते हैं जिसकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है। प्रदूषण को कम करने के लिए प्लास्टिक का उपयोग नहीं करें और वर्षा काल में अधिक से अधिक पौधे लगाए ताकि ऑक्सीजन की बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, भूमि प्रदूषण पर मुकेश कुमार स्वामी, मंजू देवी, सुशीला मेहता, नरेंद्र कुमार धायल, राजेंद्र महला, गोपाल लाल रेवाड़, रामलाल महला ने वार्ताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विभिन्न इको क्लबों के स्काउट, इको क्लब सदस्य तथा स्थानीय विद्यालय के 300 छात्र–छात्राओं, इको क्लब सदस्यों ने सहभागिता की। इको क्लब सदस्यों ने भाषण निबंध पोस्टर प्रतियोगिताओं में एक से बढ़कर एक पोस्टर बनाए, भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया व निबंध लिखे गए। प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले स्काउट्स व विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। गांव में विभिन्न स्थानों पर श्रमदान कर प्रदूषण काम करने का संदेश दिया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देशानुसार सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट सेमिनार का आयोजन जिला मुख्यालय बड़ा तालाब सीकर पर किया गया। जिसमें विभिन्न स्काउट रोवर रेंजर स्काउट गाइड प्रभारी ने भाग लिया। सामुदायिक सेवा प्रोजेक्ट

सेमिनार के दौरान समाज सेवा एवं सामुदायिक सेवा के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रधानमंत्री उपराष्ट्रपति अवार्ड के पाठ्यक्रम व उनके लॉग बुक बनाना, सामुदायिक सेवा के कार्य करने के बारे में बताया गया। इस अवसर पर बसंत कुमार लाटा सी ओ स्काउट सीकर, निर्मला माथुर रेंजर लीडर, किशन लाल सियाक, देवीलाल जाट सहायक सचिव, ओम प्रकाश रैगर स्काउट मास्टर, ने अपनी वार्ताएं प्रदान कर रोवर रेंजर्स को जल संरक्षण, एड्स अवेयरनेस, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ पेयजल सहित अनेक सेवा कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। रामप्रसाद भास्कर ने 17 एस डी जी प्रोजेक्ट व मैसेंजर ऑफ पीस प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर बी आर अंबेडकर ओपन रोवर क्रू थोई, तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़, राजकीय बी.आर. अंबेडकर छात्रावास सीकर सेकंड, विज्ञान महाविद्यालय सबलपुरा, ग्रामीण मेला महाविद्यालय शिवसिंहपुरा, श्री कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय सीकर, आदर्श विद्या निकेतन कोलीडा, ज्ञानदेव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सीकर, पद्मिनी ओपन रेंजर टीम सीकर, देव विद्यालय सीकर, स्काउट, रोवर, रेंजर ने भाग लिया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में वन पर्यावरण जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार विश्व रिसाइकल दिवस जिला मुख्यालय बड़ा तालाब सीकर पर मनाया गया। जिसमें स्काउट गाइड रोवर रेंजर, इको क्लब सदस्यों व इको क्लब प्रभारियो ने भाग लिया। इस अवसर पर बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर, निर्मला माथुर रेंजर लीडर, देवीलाल जाट सहायक सचिव, मोहन लाल सुखाड़िया रोवर लीडर, ओम प्रकाश रैगर स्काउट मास्टर ने विश्व रिसाइकिल दिवस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक वस्तु को रिसाइकल के लिए या पुर्नचक्रीकरण के लिए विभिन्न संस्थाओं को भेजना चाहिए। खराब वस्तुओं को इधर–उधर नहीं फेंकना चाहिए ताकि वातावरण शुद्ध रह सके। इस अवसर पर बी आर अंबेडकर ओपन रोवर क्रू थोई, तोदी महाविद्यालय लक्ष्मणगढ़, राजकीय बी.आर.अंबेडकर छात्रावास सीकर सेकंड, विज्ञान महाविद्यालय सबलपुरा ग्रामीण मेला महाविद्यालय शिवसिंहपुरा, श्री कल्याण राजकीय कन्या महाविद्यालय सीकर, आदर्श विद्या निकेतन

कोलीडा, ज्ञानदेव पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल सीकर, पद्मिनी ओपन रेंजर टीम सीकर, देव विद्यालय सीकर, स्काउट, रोवर, रेंजर इको क्लब सदस्यों ने भाग लिया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला सीकर के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर विश्व गौरैया पक्षी दिवस मनाया गया। जिसके अंतर्गत बसंत कुमार लाटा सी.ओ. स्काउट सीकर के नेतृत्व में जिला मुख्यालय सीकर व विभिन्न स्थानों पर गोरैया पक्षी के लिए विशेष घोसले व परिण्डे लगाए गए। गौरैया पक्षी को बचाने के लिए जनजागृति अभियान के तहत विभिन्न प्रकार के स्लोगन पंपलेट व अन्य सामग्री वितरण की गई। इसी प्रकार राज बीआर अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर स्काउट ग्रुप में 20 मार्च 2025 को पक्षी दिवस के उपलक्ष में घोंसले लगाए गए और स्काउट ने पक्षियों के दाना चुग्गा की व्यवस्था की। इस

अवसर पर स्काउट मास्टर ओमप्रकाश रेगर के नेतृत्व में स्काउट हेमंत अलवरिया, कवि ओम अलवरिया, बलवंत सिंह, उदय सिंह, आदित्य वैष्णव और बृजेश कपिल, सोनू, सुनील, सुधांशु, गौरव मीना, रोहित पालीवाल, गोलू मीणा, नितिन, अनिल, गुलशन कुमार वर्मा सहित अन्य स्काउट ने भाग लिया। राधा कृष्णपुरा मोडी कोठी देवस्थान के आसपास के क्षेत्र में राज्य पुरस्कार से सम्मानित हरिओम लाटा व राष्ट्रपति स्काउट देवेश कुमार लाटा, हितेश कुमार लाटा ने स्काउट गाइड की ओर से घोंसले लगाएं व गोरैया पक्षी को बचाने का संकल्प लिया। विगत 3 साल में स्काउट गाइड द्वारा 4000 से अधिक गोरैया पक्षी के लिए घोसलें लगाए जा चुके हैं।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में स्थानीय संघ मुख्यालय खाटूश्याम जी पर सौर ऊर्जा संरक्षण पर जिला स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन 21 मार्च को किया गया। स्थानीय संघ के प्रधान एडवोकेट जनार्दन शर्मा ने बताया कि प्रातः 9 बजे कार्यशाला की शुरुआत की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट जनार्दन शर्मा ने की वहीं मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य श्याम सुंदर शर्मा खाटू श्याम जी एवं विशिष्ट अतिथि कनिष्ठ अभियंता हेमंत बाजिया तथा अमित कुमार लालचंद मंडीवाल सुरत भवन थे। कार्यक्रम प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर महेश कुमार रेगर के सान्निध्य

में प्रारंभ हुआ। ईश वंदना के बाद सौर ऊर्जा संरक्षण पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता में प्रज्ञा शर्मा, भाषण में बंटी नायक, वाद–विवाद में हिमांशु कुमावत, पोस्टर में कृष्ण योगी, मेहंदी में भूमिका स्वामी प्रथम रहे। मुख्य अतिथि शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सौर ऊर्जा हमारे भारत के लिए आत्मनिर्भर भारत की खोज का द्यौतक है। सौर ऊर्जा वह ऊर्जा है जो एक अक्षय भंडार है। बालकों ने भ्रमण कर प्रकृति की खुली गोद में विभिन्न प्रजाति के पेड़ पौधों का अवलोकन किया। रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन बड़ा शानदार रहा। सचिव डॉक्टर मनोज कुमार शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए आए हुए अतिथियों का आभार जताया। एडवोकेट जनार्दन शर्मा ने अपने वक्तव्य में स्काउटिंग की एक विधा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए स्काउटिंग महती आवश्यक है जिसका प्रभाव प्रतियोगिता में देखने को अपने आप मिल रहा है। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में महावीर प्रसाद शर्मा, विष्णु शर्मा, पवन कुमार शर्मा, रीटा शर्मा, कैलाश संत कुमावत, बाबूलाल दयाल, श्रीराम शर्मा, सुनील कुमार स्वामी, रमेश कुमार योगी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं शिक्षक मौजूद रहे।

जोधपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित जिला स्तरीय ऊर्जा सरंक्षण कार्यशाला स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही में आयोजित की गई, जिसमें आबूरोड, स्वरूपगज, पिण्डवाड़ा, शिवगंज एवं स्थानीय

विद्यालय के स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं छात्र छात्राएँ सम्मिलित हुए। सी.ओ. स्काउट एम आर वर्मा ने प्रारंभ में ऊर्जा सरंक्षण के बारे में उपस्थित स्काउट गाइड को विस्तृत जानकारी दी और तत्पश्चात गणपतसिंह देवगौड़ा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ने ऊर्जा सरंक्षण, मूल सिंह भाटी सचिव स्थानीय पिडवाड द्वारा जल सरंक्षण, बाबूलाल सैनी ने सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम और गोपाल सिंह राव स्काउटर ने स्वच्छता पर और कमल किशोर पुरोहित ने पर्यावरण पर अपनी वार्ता दी। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम आर वर्मा को बार टू मेडल ऑफ मेरिट से राज्यपाल द्वारा सम्मानित होने पर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर जोगाराम सचिव स्थानीय रंग कलंदरी, कालू सिंह देवडा सचिव स्थानीय संघ आबूरोड, प्रताप राम सचिव स्थानीय स्वरूपगज, कमल किशोर पुरोहित लीडर ट्रेनर स्काउट आबूरोड ने नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब के बारे में अवगत कराया। बलवंत कुम्हार, श्रीमती शर्मिला डाबी, मोहित दर्शन सिंह, दृष्टि पांडे ने कार्यशाला में अपनी सेवाएँ दी।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में को केशव आदर्श विद्या मंदिर में क्लाइमेट चेंज कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम आर आर वर्मा ने क्लाईमेट चेंज कार्यक्रम में उपस्थित स्काउट गाइड इको क्लब सदस्यों को विस्तार से अवगत कराया। इस अवसर पर मूल सिंह भाटी ने पर्यावरण सरंक्षण, जितेंद्र सिंह ने जल सरंक्षण, गोपाल राम ने स्वच्छता, विनीत कुमार ने ऊर्जा सरंक्षण और एम आर वर्मा ने सिंगल यूज

प्लास्टिक पर अपनी वार्ता दी। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम आर वर्मा ने उपस्थित स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं इको क्लब सदस्यों को स्काउट गाइड में आयोजित विभिन्न गतिविधियों से भी अवगत कराया। इस कार्यशाला में स्थानीय संघ पिण्डवाड़ा के विभिन्न विद्यालयों से करीब 200 स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं इको क्लब सदस्य व अन्य छात्र छात्राएँ सम्मिलित हुए। तत्पश्चात क्लाइमेट चेंज जनजागरूकता रैली निकाली गई जिसने कोजरा गाँव के विभिन्न मोहल्लों में से गुजरते हुए उपस्थित लोगों को जागरूक किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा आयोजित 3 दिवसीय जिला स्तरीय कब बुलबुल उत्सव का बुधवार को स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही में समारोह पूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार राजपुरोहित उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग थे। अध्यक्षता मूल सिंह भाटी सचिव स्थानीय संघ पिण्डवाड़ा ने की और विशिष्ट अतिथि देवेन्द्र कुमार गर्ग पूर्व सचिव स्थानीय संघ सिरोही एवं श्रीमती इन्दिरा खत्री व पूर्व गाइडर श्रीमती पिंकी राज पुरोहित थी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र कुमार राजपुरोहित ने कहा कि इस जिला स्तरीय कब बुलबुल उत्सव में नन्हे मुन्ने बालक

बालिकाएं सम्मिलित हुए हैं जो एक सराहनीय कार्य है। इनको इस उत्सव से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। प्रारम्भ में सी.ओ. स्काउट एम आर वर्मा ने जिला स्तरीय कब बुलबुल उत्सव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और उन्होंने कहा कि इस कब बुलबुल उत्सव में स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल झाडोली, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कॉटल, कैशव आदर्श विद्या मंदिर कोजरा, सरस्वती विद्या निकेतन रोहिडा, एच आर एम क्रिएटिविटी अंग्रेजी माध्यम स्कूल जावाल से 90 कब बुलबुल सम्मिलित हुए। सभी कब बुलबुल को प्रमाण पत्र एवं विद्यालय को मोमेंटो भेंट किए गए। समापन समारोह में कब बुलबुल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। सभी कब बुलबुल को कॉपी और पैन इन्द्रा खत्री सेवानिवृत्त गाइडर की ओर से वितरित किए गए और अतिथियों का आभार जीवाराम लीडर ट्रेनर कब ने किया। कब बुलबुल उत्सव में प्रकाश पूरी, हर चरण पुरोहित, श्रीमती मीनाक्षी जोशी, देवेन्द्र कुमार ने प्रशिक्षण दिया और उत्सव के दौरान मोहित अग्रवाल, दृष्टि पांडे, परशुराम रोवर रेंजर ने अपने सराहनीय सेवाएँ दी।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में माधव यूनिवर्सिटी में 18 मार्च को सिंगल–यूज प्लास्टिक रोकथाम पर कार्यशाला आयोजित की गई। प्रारंभ में सरस्वती की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात माधव यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉक्टर भावेश कुमावत द्वारा स्काउट गाइड पदाधिकारियों का साफा उपरना और मोमेंटो भेंट कर स्वागत

किया गया। सी.ओ. स्काउट एम आर वर्मा ने सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले नुकसान से विस्तार से अवगत कराया और उन्होंने स्काउट गाइड जिला मुख्यालय द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की भी जानकारी दी। जल सरंक्षण पर मूल सिंह भाटी, पर्यावरण संरक्षण पर कमल किशोर पुरोहित, सौर ऊर्जा पर डॉक्टर महेन्द्र सिंह परमार, स्वच्छता पर डॉक्टर देवेंद्र ने अपनी वार्ता देकर उपस्थित रोवर रेंजर और छात्र छात्राओं को जानकारी दी। इस अवसर पर माधव यूनिवर्सिटी के नवीन रोवर को दीक्षा भी दी गई और माधव यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों का स्काउट गाइड जिला मुख्यालय सिरोही द्वारा स्कार्फ मोमेंटो द्वारा स्वागत किया गया। माधव यूनिवर्सिटी में संचालित स्पेशल विद्यालय का अवलोकन भी स्काउट गाइड पदाधिकारियों ने किया, जिसमें मूक बधिर छात्र छात्राएँ अध्ययनरत हैं। इस कार्यशाला में माधव यूनिवर्सिटी के 150 से अधिक रोवर रेंजर एवं छात्र छात्राओं ने भाग लिया। रंजीत जीनगर, मोहित अग्रवाल, दृष्टि पाण्डेय रोवर रेंजर ने कार्यशाला में सहयोग प्रदान किया और कार्यशाला का संचालन तोफिक पठान रोवर लीडर ने किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र पाली का 19 मार्च को राज्य के पदाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया। राज्य मुख्यालय जयपुर से राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त स्काउट पूरण सिंह शेखावत एवं कार्यवाहक सहायक सचिव एल आर शर्मा के द्वारा जिला प्रशिक्षण केंद्र का अवलोकन किया गया। सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि जिला मुख्यालय पर स्काउट एवं गाइड विभाग की संधारित की जाने वाले विभिन्न पत्रावली,

प्रमाण पत्र रजिस्टर, राज्य पुरस्कार, गोल्डन ऐरो, राष्ट्रपति अवार्ड और राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय गतिविधियों के विषयक उपलब्धि और पत्रावली का अवलोकन किया तथा अन्य भौतिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी के साथ प्रशिक्षण केंद्र पर भामाशाहों द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों का भी अवलोकन किया। जिला मुख्यालय एवं प्रशिक्षण केंद्र पर भामाशाहों द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की एवं स्काउट गाइड के लिए जुटाई जा रही भौतिक व्यवस्थाओं के लिए किए जा रहे प्रयासों को सराहा। जिला प्रशिक्षण केंद्र पर नगर विकास न्यास द्वारा निर्माण करवाई गई आर्टिफिशियल क्लाइंबिंग वॉल का भी अवलोकन किया तथा इसका लाभ स्काउट गाइड और आमजन को उपलब्ध करवाए जाने की भी प्रयास करने के निर्देश प्रदान किए। जिला प्रशिक्षण केंद्र पर निर्माण करवाए गए एडवेंचर बेस, शौचालय ब्लॉक एवं किए जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन कर सेनिटेशन, आवास, साफ सफाई, वृक्षारोपण एवं गार्डन की देख रेख, स्टोर सामग्री का रख रखाव आदि व्यवस्थाओं को सराहा तथा आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन और राज्य संगठन आयुक्त पूरण सिंह शेखावत द्वारा प्रशिक्षण केंद्र पर मूक पक्षियों के लिए परिंडे बांधकर और पक्षियों के लिए चुग्गा पात्र लगाकर परिंडा अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सहायक स्टेट कमिश्नर गाइड नूतन बाला कपिला, जिला संगठन के उपाध्यक्ष ताराचंद जैन, सहायक लीडर ट्रेनर लीला जैन, आजीवन सदस्य पुष्पा परिहार, भामाशाह ओम प्रकाश परिहार, स्थानीय संघ सचिव सादड़ी पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, रोवर करण, कैलाश, श्रीपाल लक्षकार मदन मेवाड़ा आदि उपस्थित रहे। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने अतिथियों को जिला रैली का स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया।

कोटा मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड द्वारा महिला शिक्षण विहार झालावाड़ से स्काउट गाइड जिला मुख्यालय तक महिला सशक्तिकरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि श्रीमति शशि

गजराना अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झालावाड़ के द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं महिला सुरक्षा के कानूनों की जानकारी देने के उपरान्त इनके द्वारा रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्यालय पर समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री शिवप्रसाद चौबदार सहायक परियोजना अधिकारी द्वारा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सुश्री कृष्णा वर्मा प्रभारी शिक्षण विहार, श्रीमती सुधा शुक्ला प्रधानाचार्य शिक्षण विहार द्वारा गाइड व छात्राओं को आत्मरक्षा एवं गुड टच, बैड टच की जानकारी दी गई। रामकृष्ण शर्मा सर्कल ऑर्गेनाजइर नें बताया कि स्काउटिंग गाइडिंग गतिविधियों से जुडकर कला कौशल, आत्मनिर्भता एवं महिला सशक्तिकरण जागरूकता आती है। इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त श्री कृष्ण मोहन देवडा लीडर ट्रेनर एवं रोवर लीडर श्री रमेश कुमार गर्ग सहायक लीडर ट्रेनर, हरिओम लववंशी, दुर्गाशंकर, अनुज अग्रवाल अध्यापिका श्रीमती रेखा कश्यप, आकृति शर्मा, नन्द कॅवर हाडा द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झालावाड़ के तत्वावधान में 22 मार्च को कम्यूनिटी डवलपमेंट सेमीनार का आयोजन किया गया। सी.ओ. स्काउट रामकृष्ण शर्मा नें बताया की इस सेमीनार का उद्देश्य विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवानें हेतु आमजन व लाभों से वंचित परिवारों की सहायता करना व सामाजिक जीवन स्तर को उपर उठानें के लिये आमजन को जागरूक करने एवं सामाजिक परिवेश को और ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिये प्रेरित करना था। सेमीनार के मुख्य अतिथि डॉ. रमेश कुमार गर्ग सेवानिवृत प्राचार्य द्वारा सेमीनार में आये हुये स्काउट गाइड रोवर रेंजर

को प्रधानमंत्री शील्ड एवं उपराष्ट्रपति शील्ड के लिये किये जाने वाले प्रोजेक्ट व उन पर किस प्रकार कार्य किया जाना है, की जानकारी दी गई। साथ इस अवसर पर उपस्थित लीडर ट्रेनर श्री कृष्ण मोहन देवडा द्वारा जीवन में स्वस्थ रहने हेतु विभिन्न योग क्रियाओं के बारे में बताया गया। इस अवसर पर स्काउटर श्री दुर्गा शंकर टेलर, नानूराम, अजय गुर्जर एवं गाइडर सुश्री कृष्णा वर्मा एवं समस्त महिला शिक्षण विहार स्टाफ उपस्थित रहा।

उदयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, डूंगरपुर के तत्वावधान में प्रदूषण पर रोकथाम कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय डूंगरपुर पर किया गया। सी.ओ स्काउट सुनील कुमार सोनी ने बताया कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय भारत सरकार की नेशनल ग्रीन कोर योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बंशीलाल कटारा ने बताया कि स्काउट संगठन में व्यक्तित्व निर्माण, शिष्टाचार, नागरिकता का आधार स्तंभ, विभिन्नता में एकता, ग्लोबल समिट के 17 गोल्स, जैसे सिंगल यूज प्लास्टिक, क्लाइमेट चेंज, जीरो हंगर, पर्यावरण संरक्षण विषयों पर कार्य करके बालक में देशहित और पर्यावरण हित जागृति का संचार किया जाता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने इतिहास को जानकर संस्कृति, दूसरों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर, वसुधैव कुटुंबकम, एक भारत श्रेष्ठ भारत, मेरा छोड़कर

राष्ट्रहित के लिए कार्य करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ प्रफुल्लबाला होता, जिला उपाध्यक्ष ने बताया कि वे भी राष्ट्रीय जंबूरी छत्तीसगढ़ में गाइड के रूप ने शामिल हुई थी। आज इस आयोजन में आकर वही यादें ताजा हो गई है। राष्ट्रपति अवॉर्ड के दौरान पीएचसी में सेवा कार्य किया था, तब कभी सोचा भी नहीं था कि इस फील्ड में करियर बनाना, स्काउट गाइड के शिविरों के दौरान जो विचार जीवन में उतारा गया था, इसके फलस्वरूप अंतराष्ट्रीय स्तर पर योगा शिविर में सहभागिता करेंगे। अतिथि ऋषि दवे अधिवक्ता ने बताया कि वे भी अपने विद्यालय जीवन में स्काउट रह चुके हैं। इस अवसर पर डायमंड जुबली जंबूरी में सहभागिता करने वाले स्काउट गाइड का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जमनालाल चौबीसा, ललित कुमार बरांडा, नाना लाल अहारी, सोहन लाल भगोरा, विष्णु कुमार एकोत, सूरज पारगी, अनीता रोत, उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सिंगल यूज मुक्त अभियान के लिए कपड़े के पीठू बैग का वितरण किया गया।

महात्मा ज्योतिबा फुले

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

हमारे देश में शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा जो महात्मा ज्योतिबा फुले को नहीं जानता होगा। ज्योतिराव गोविंदराव महाराष्ट्र में सर्वप्रथम अछूतोद्धार और महिला शिक्षा का काम आरंभ करने वाले महान भारतीय विचारक, समाज सेवी, लेखक, दार्शनिक तथा क्रान्तिकारी कार्यकर्ता थे।

जीवन परिचय

ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रेल, 1827 ई. में पुणे में हुआ था। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले सतारा से पुणे फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करने लगा था। इसलिए माली के काम में लगे ये लोग 'फुले' के नाम से जाने जाते थे। ज्योतिबा ने कुछ समय पहले तक मराठी में अध्ययन किया। परंतु लोगों के यह कहने पर कि पढ़ने से तुम्हारा पुत्र किसी काम का नहीं रह जाएगा, पिता गोविंद राम ने उन्हें स्कूल से छुड़ा दिया। जब लोगों ने उन्हें समझाया तो तीव्र बुद्धि के बालक को फिर स्कूल जाने का अवसर मिला और 21 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंग्रेजी की सातवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी की। ज्योतिबा फुले का विवाह 1840 में सावित्री बाई से हुआ था।

विद्यालय की स्थापना

ज्योतिबा की संत–महात्माओं की जीवनियाँ पढ़ने में बड़ी रुचि थी। उन्हें ज्ञान हुआ कि जब भगवान के सामने सब नर–नारी समान हैं तो उनमें ऊँच–नीच का भेद क्यों होना चाहिए। स्त्रियों की दशा सुधारने और उनकी शिक्षा के लिए ज्योतिबा ने 1854 में एक स्कूल खोला। यह इस काम के लिए देश में पहला विद्यालय था। लड़कियों को पढ़ाने के लिए अध्यापिका नहीं मिली तो उन्होंने कुछ दिन स्वयं यह काम करके अपनी पत्नी सावित्री को इस योग्य बना दिया। उच्च वर्ग के लोगों ने आरंभ से ही उनके काम में बाधा डालने की चेष्टा की, किंतु जब फुले आगे बढ़ते ही गए तो उनके पिता पर दबाब डालकर पति–पत्नी को घर से निकालवा दिया। इससे कुछ समय के लिए उनका काम रुका अवश्य, पर शीघ्र ही उन्होंने मजबूत इरादों और अपने आत्मविश्वास के दम पर एक के बाद एक बालिकाओं के तीन स्कूल खोल दिए।

जाति से बहिष्कृत

अछूतोद्धार के लिए ज्योतिबा ने उनके अछूत बच्चों को अपने घर पर पाला और अपने घर की पानी की टंकी उनके लिए खोल दी। परिणामस्वरूप उन्हें जाति से बहिष्कृत कर दिया गया। कुछ समय तक एक मिशन स्कूल में अध्यापक का काम मिलने से ज्योतिबा का परिचय पश्चिम के विचारों से भी हुआ, पर ईसाई धर्म ने उन्हें कभी आकृष्ट नहीं किया। 1853 में पति–पत्नी ने अपने मकान में प्रौढ़ों के लिए रात्रि पाठशाला खोली। इन सब कामों से उनकी बढ़ती ख्याति देखकर प्रतिक्रियावादियों ने एक बार दो हत्यारों को उन्हें मारने के लिए तैयार किया था, पर वे ज्योतिबा की समाज सेवा देखकर उनके शिष्य बन गए।

महात्मा की उपाधि

दलितों और निर्बल वर्ग को न्याय दिलाने के लिए ज्योतिबा ने 'सत्यशोधक समाज' स्थापित किया। उनकी समाज सेवा देखकर 1888 ई. में मुंबई की एक विशाल सभा में उन्हें 'महात्मा' की उपाधि दी गई। ज्योतिबा ने ब्राह्मण–पुरोहित के बिना ही विवाह–संस्कार आरंभ कराया और इसे मुंबई हाईकोर्ट से भी मान्यता मिली। वे बाल–विवाह विरोधी और विधवा–विवाह के समर्थक थे। वे लोकमान्य के प्रशंसकों में थे।

निधन

28 नवम्बर, 1890 को हमारे देश के महान समाज सेवी, महिलाओं में शिक्षा की अलख जगाने वाले और अछूतों के उद्धारक महात्मा ज्योतिबा फुले का देहांत हो गया।

पर्यटन स्थल

मरुस्थल का द्वार : चूरू

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

चूरू राजस्थान के मरुस्थलीय भाग का एक नगर है। इसे थार मरुस्थल का द्वार भी कहा जाता है। इस शहर की स्थापना निर्माण–चौहान राजपूतों ने की।

चूरू में अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक एवं प्राकर्तिक स्थल हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

रतनगढ़ किला

यह एक ऐतिहासिक किला है। काफी संख्या में पर्यटक यहाँ घूमने के लिए आते हैं। इस किले का निर्माण बीकानेर के राजा रतनसिंह ने 1820 ई. में करवाया था। यह किला आगरा–बीकानेर मार्ग पर स्थित है। इस जगह के आसपास कई हवेलियां भी है। यहाँ रेतीले टीले हवा की दिशा के साथ आति और स्थान बदलते रहते हैं। इस शहर में कन्हैया लाल बंगला की हवेली और सुराना हवेली आदि जैसी कई बेहद खूबसूरत हवेलियां हैं, जिनमें हजारों छोटे–छोटे झरोखे एवं खिड़कियाँ हैं। ये राजस्थानी स्थापत्य शैली का अद्भुत नमूना हैं, जिनमें भितिचित्र एवं सुंदर छतरियों के अलंकरण हैं। नगर के निकट ही नाथ साधुओं का अखाड़ा है, जहां देवताओं की मूर्तियां बनी हैं। इसी नगर में एक धर्म–स्तूप भी बना है जो धार्मिक समानता का प्रतीक है। नगर के केन्द्र में एक दुर्ग है जो लगभग 400 वर्ष पुराना है।

सालासार बालाजी

यह भगवान हनुमान का मंदिर है। यह मंदिर जयपुर–बीकानेर मार्ग पर स्थित है। चूरू भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। माना जाता है कि यहाँ जो भी मनोकामना मांगी जाए वह पूरी होती है। प्रत्येक वर्ष यहाँ दो बड़े मेलों का आयोजन किया जाता है। यह मेले चैत्र (अप्रैल) और अश्विन पूर्णिमा (अक्टूबर) माह में लगते हैं। लाखों की संख्या में भक्तगण देश–विदेश से सालासार बालाजी के दर्शन के लिए यहाँ आते हैं। यह मंदिर पूरे साल खुला रहता है।

सुराना हवेली

यह छः मंजिला इमारत है तथा काफी बड़ी हवेली है। इस हवेली की खिड़कियों पर काफी खूबसूरत चित्रकारी की गई है। इस हवेली में 1111 खिड़कियां और दरवाजे हैं। इस हवेली का निर्माण 1870 में किया गया था।

दूधवा खेरा

ऐतिहासिक दृष्टि से यह स्थान काफी महत्वपूर्ण है। यह स्थान चूरू से 36 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह गाँव अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरत हवेलियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ आकर राजस्थान के असली ग्रामीण परिवेश का अनुभव किया जा सकता है। इसके अलावा यहाँ ऊँटों की सवारी भी काफी प्रसिद्ध है।

तालछापर अभयारण्य

चुरू जिले में स्थित तालछापर अभयारण्य मुख्य रूप से काले हिरण के लिए प्रसिद्ध है। इस अभयारण्य में कई अन्य जानवर जैसे–चिंकारा, लोमड़ी, जंगली बिल्ली के साथ–साथ पक्षियों की कई प्रजातियां भी देखी जा सकती है। इस अभयारण्य का क्षेत्रफल 719 वर्ग हेक्टेयर है।

कोठारी हवेली

इस हवेली का निर्माण एक प्रसिद्ध व्यापारी ओसवाल जैन 'कोठारी' ने करवाया था जिसका नाम उन्होंने अपने गोत्र के नाम पर रखा। इस हवेली पर की गई चित्रकारी काफी सुंदर है। कोठारी हवेली में एक बहुत कलात्मक कमरा है, जिसे मालजी का कमरा कहा जाता है। इसका निर्माण उन्होंने सन 1925 में करवाया था।

छतरी

चूरू में कई आकर्षक गुम्बद है। अधिकतर गुम्बदों का निर्माण धनी व्यापारियों ने करवाया था। ऐसे ही एक गुम्बद 'आठ खम्भा छतरी' का निर्माण सन् 1776 में किया गया था।

आवागमन

हवाई अड्डा : सबसे नजदीकी एयरपोर्ट जयपुर में है। यह चुरु से 189 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

रेल मार्ग : सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन चूरू है। यह चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

बस मार्ग : देश के कई प्रमुख शहरों से चूरू के लिए बसें चलती हैं।

हमारा स्वास्थ्य

घर में उपलब्ध सामग्री से उपचार

संकलनकर्ता
डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

- अजवायन का चूर्ण सूंघने से सिरदर्द व नजला दूर होता है और मस्तिष्क के सारे कीड़े भी नष्ट होते हैं।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- दूध हजम न होने पर या दूध पीने से गैस बनने पर दूध के बाद थोड़ा सा अजवायन का चूर्ण फांक लें।
- पेट में दर्द हो और भूख नहीं लगती हो तो अजवायन, काली मिर्च, सेंधा नमक पीसकर गर्म पानी के साथ लें।
- आधा चम्मच पिसी हुई सौंठ को फांककर ऊपर से गुनगुना दूध पीने से जुकाम दूर होता है। इसे सुबह और रात को सोते समय लें।
- खाना खाते ही शौच लगना या दिन में कई बार शौच जाना पड़ता हो और संग्रहणी हो तो बेल का 30 ग्राम गूदा, 5 ग्राम सौंठ और 10 ग्राम गुड मिलाकर लें। इसी तरह दिन में दो तीन बार यह मिश्रण लगातार 3–4 दिन तक लेने से लाभ होता है।
- पीलिया होने पर सफेद प्याज का रस, गुड़ और हल्दी को एक साथ घोटकर नाक से सूंघें।
- बवासीर होने पर पकी नीम की निंबौली पुराने गुड़ के साथ दिन में तीन बार खाएं।
- दांतों में कीड़ा लग जाने पर दालचीनी के तेल में रूई का फाहा बनाकर भिगोकर दांतों पर लगायें।
- बार–बार पेशाब आने पर आंवले का रस पानी में मिलाकर सुबह–शाम तीन दिन तक पीएं।
- बाल झड़ने पर एक लीटर पानी में आधा चम्मच सिरका मिले पानी से सिर धोएं।
- पेट दर्द होने पर भुनी हुई सौंफ खाने से लाभ होता है।
- मुंह में छाले हो जाने पर तुलसी के पत्तों का रस पानी में मिलाकर कुल्ले करें।
- कब्ज होने पर गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पीएं।
- खूनी दस्त लगे हों तो पिसे हुए धनिए में मिश्री डालकर खाएं।
- चोट लगने पर यदि खून बंद न हो तो पिसा हुआ धनिया घाव पर लगाएं।
- शरीर के किसी भी अंग पर सूजन आ गई हो तो धनिए को सिरके में पीसकर लेप करें।
- जल जाने पर तत्काल शहद का लेप करने से जलन बंद हो जाती है।
- दही में शहद मिलाकर बच्चों को चटाने से उनके दांत बड़ी आसानी से बिना दर्द के निकल आते हैं।
- मासिक धर्म में गड़बड़ी होने पर अथवा मासिक धर्म कम या ज्यादा होने पर अजवायन का तीन ग्राम चूर्ण दिन में दो बार गर्म दूध के साथ लें। मासिक धर्म नियमित हो जाएगा।
- हड्डी टूट जाने पर नियमित रूप से शहद का सेवन करने से हड्डी जल्दी जुड़ती है।

नोट : उपलब्ध सभी सामग्री केवल पाठकों की जानकारी और ज्ञानवर्धन के लिए दी गई है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको आवश्यक और ज्ञानवर्धक जानकारी मुहैया कराना मात्र है। चिकित्सक की सलाह का कोई विकल्प नहीं है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में दक्षता बैज 'विश्व संरक्षण' के दो बैजों की जानकारी दी जा रही है।

"विश्व संरक्षण"

(A) **विरासत HERITAGE**

(B) **विश्व संरक्षण WORLD CONSERVATION**

विरासत
HERITAGE

- अपनी स्थानीय संस्कृति के मूल घटकों (अवयवों) को समझना चाहिए।
- अपने इस अध्ययन को सचित्र एक स्क्रेप बुक में तैयार कर प्रकट कर सकते हैं।
- अपने क्षेत्र की भौतिक पर्यावरणीय प्रमुख पहाड़ियाँ व नदियों के बारे में जाने।
- सामान्य पेड़ों व पौधों के बारे में जाने और उसके उपयोग जाने।
- स्थानीय वनस्पति और जीव–जन्तुओं के बारे में जाने।
- सर्वप्रथम अपनी सांस्कृतिक एकरूपता तथा विरासत जैसे–परिवार, रीति–रिवाज और पाम्परिक रिवाज के बारे में जानना व समझना चाहिए।
- एक कतरन पुस्तिका में वंश–वृक्ष बना कर उस पर अपने पूर्वजों के चित्रादि के अक्स तैयार किए जा सकते हैं।
- स्थानीय तीज–त्यौहारों में भाग ले और उसका विवरण तैयार करना; जिसमें फोटो और रिपोर्टिंग बनाना।
- पारम्परिक भोजन व व्यंजन
- पारम्परिक रीति–रिवाजों के बारे में जाने।
- कला और स्थापत्य कला, भजन, पूजा, वाद्य यंत्रों और पारम्परिक नृत्य कला, खाद्य परम्पराओं के बारे में जाने।

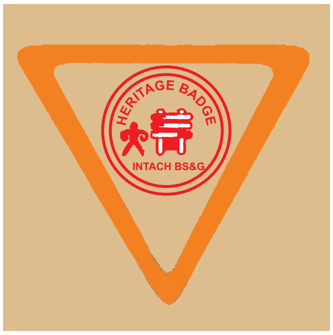

प्रायोगिक कार्य :
- स्थानीय ऐतिहासिक स्थलों व म्यूजियम का अवलोकन कर पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।
- परम्परागत मांडने, मिट्टी के बर्तन बनाना इत्यादि के बारे में जानकारी प्राप्त कर रंगोली इत्यादि बनाना सीखें।

विश्व संरक्षण
WORLD CONSERVATION

विश्व संरक्षण बैज हेतु निम्नांकित में से कोई तीन कार्य करने होंगे :–

1. किसी चिड़िया घर, वनस्पति उद्यान, प्राकृतिक ऐतिहासिक संग्रहालय का अवलोकन करें या वन्य जन्तुओं के बारे में कोई फिल्म देखें और परीक्षक को अपनी जानकारी से अवगत करायें।
2. किसी पालतू पशु का कम से कम तीन माह तक पालन कर उसकी सावधानीपूर्वक देखभाल करें।
3. एक घंटा कार्य कर किसी पब्लिक पार्क, बगीचे, विद्यालय परिसर या अन्य सार्वजनिक स्थान पर 'कूड़ा उठाओ' अभियान में सम्मिलित होकर कम से कम 3 घंटे कार्य करें परन्तु एक बार में एक ही घंटा कार्य करें।
4. सामूहिक रूप से किसी प्रकृति अध्ययन कार्य में भाग ले व अपने संग्रहों की एक संग्रहिता तैयार करें।
5. एक स्थान पर पक्षियों के लिए चुग्गा व पानी कुण्ड बनाना व कायम रखना।

परिपत्र

The Bharat Scouts and Guides

Creating Better India

26th World Scout Jamboree

National Headquarters

Address: Lakshmi Mazumdar Bhawan, 16, M. G. Marg, I. P. Estate, New Delhi-110002

Website :www.bsgindia.orgEmail Id: info@bsgindia.org Phones:+91-11-23370126,23378667

Circular No.: 22/2025
Date : 21st Jan., 2025

To
All the State Secretaries,
State Associations of
The Bharat Scouts and Guides,
INDIAN UNION

Dear Sir/Madam,

We are pleased to inform you that the World Scout Jamboree is a major international event organised by WOSM held once in every four years. The Jamboree provides a unique opportunity for young people to learn from one another, develop leadership skills, and engage in outdoor activities while embracing the Scouting principles of community service, personal growth, and environmental stewardship. In 2027, Poland will host the World Scout Jamboree for the first time, in the city of Gdańsk, in Pomorskie Region.

Details of 26WSJ are as below:

Name of the Event : **26th World Scout Jamboree**

Date : 30th July to 08th August, 2027

Venue : The 26th World Scout Jamboree Site is located onWyspa Sobieszewska within the borders of the city of Gdańsk, on the coast of the Baltic Sea in northern Poland.

Theme : **"Bravely"**

The 26th World Scout Jamboree theme is based on three pillars:

-You
-You and Other People
-You and the World

Date of Arrival : International Service Team **(IST) & CMT** 27th July, 2027
Participants, Unit Leader & CMT 29th July, 2027

Date of Departure : International Service Team **(IST)** 10th Aug., 2027
Participants & Unit Leader 09th Aug., 2027

Jamboree Fee : **Jamboree Registration Fee 1600 PLN i.e. INR 38,000/-** (Approximately) inclusive of CA & bank transfer charges. The charges may exceed if registration fee is not received within the given timeline.

Participants Fee Covers:

1. All campsite fees from the day of arrival on 29 July to the departure on 09th August, 2027 including relevant transportation for the programme activities.
2. Breakfasts, packed lunches and dinners for the duration of the Jamboree, from dinner on 29 July to breakfast on 09 August 2027.
3. From of the specified Jamboree Official entry point (Airport) in Poland and at the end of the jamboree transport from the site to a specific Jamboree official exit point.
4. Joint Unit equipment (i.e., Cooking tent and equipment). **No personal equipment will be provided i.e, tents, Cots, Sleeping bags etc.**
5. Medical care in case of illness (excluding pre-existing conditions) or accidents, including minor surgery or treatment, if necessary, for the duration of the Jamboree medications and any expenses related to specialized care or hospitalization are **NOT** included in the Jamboree fee.
6. A Jamboree participation kit, including an official Jamboree Scarf and badge.

IST/CMT Fee Covers:

1. All campsite fee from the day of arrival on 27 July 2027 to the departure on 10 August 2027.
2. Briefing and training including role-specific training before the arrival of participants.
3. Breakfasts, packed lunches and dinners for the duration of the Jamboree from dinner of 27 July to breakfast (with packed lunch) on 10 August 2027.
4. Transport from one of the specified Jamboree entry points (Airport) and at the end of the Jamboree transport from the Jamboree site to a specified Jamboree exit point (Airport).
5. **No personal equipment will be provided i.e. tents, cots, sleeping bags etc.**

6. Medical care in case of illness (excluding pre-existing conditions) or accidents, including minor surgery or treatment, if necessary for the duration of the Jamboree Medications and any expenses related to specialized care or hospitalization are NOT included in the fee.
7. A Programme of activities for when off-duty and a participation kit including a scarf and badge.

Caution Money : 5000/- Non-refundable (if selected) is to be remitted through the following link https://www.onlinesbi.sbi/sbicollect/icollecthome.htm?corpID=2784356 under International events

Other Fees : 1. Contingent Kit & Contingent Fee
2. Air Fare & VISA Fee
3. 3 Day Jamboree get together Camp. **This will be communicated in a next circular**

Eligibility : **Youth Participants:**

Youth Participants must be between the ages of 14 and 17 at the time of the Jamboree **(born after 30 July 2009 but not later than 30 July 2013)**

Unit Leader:

1 Unit Leader is allowed to accompany 9 Scouts with the Ratio 9:1 (i.e. with 09 Scouts or 09 Guides only 01 Adult Leader is eligible to apply) He/She should be able to communicate in English and have valid passport.

International Service Team:

Young Rover/Ranger & Adult Leaders and above 18 to 45 Years of age who were born on or before 30 July 2009 can apply as International Service Team (IST) with the ratio 9:1:1 from their state.

Note: Without Youth participants, only IST application will not be accepted. He/she should be able to communicate in English and be ready to perform any tasks necessary for the Jamboree. He/she should have valid passport.

Weather & Climate : Wyspa Sobieszewska has a warm temperate climate, moderated by the proximity of the sea. During July and August, the daily temperature averages 17°C, with an average high of 21°C and humidity of 55%. There is moderate rainfall, with an average of seven days of precipitation monthly during the summer.

Entry Points of Jamboree : Official Entry Points: Gdansk Lech Wał ęsa International Airport (GDN), Gdansk Gł ówny railway station, Gdansk ferry terminal, Gdynia ferry terminal, and the bus parking in Gdansk at the AmberExpo/Polsat Plus Arena.

Safe From Harm : The Safety of all participants is the highest priority and all adult participants will be required to take Safe from Harm training prior to attending the Jamboree. The Jamboree will comply with WOSM standards for Safe from Harm.

Pre-Existing Conditions : Those with pre-existing medical conditions should make special arrangements so as to be able to pay for any treatment related to such conditions.

Travel Insurance : It is recommended that all the members should obtain appropriate insurance cover, such as a travel insurance for such as a travel, insurance for the period prior to arrival at the start of the 26th World Scout Jamboree and until the finish of the event in addition to the medical insurance.

Travel and VISA arrangements : Participants are responsible for their own travel arrangements. Granting VISA lies in the discretion of the Poland Embassy. BSG NHQ, is not responsible if VISA is rejected due to any reason/reasons thereof. Hence, no claim is admissible if travelling in a group. PAGE 5 Further, regarding airfare & VISA it will be communicated once selection letter is issued form NHQ

Last date of Application : The last date for submission of application to NHQ duly endorsed by State Association is 31st October 2025 along with caution money + Jamboree registration fee. The online payment of caution money and registration fee should be supported by a copy of bank pay-in-slip/UTR No. to authenticate the payment made.

Important Notice : Without Youth participants only IST application will not be accepted.

State Association are requested to give wide publicity of this Jamboree amongst the members and recommend the application of the willing and deserving candidate in the prescribed proforma (enclosed) along with photocopy of valid passports and full registration fee and caution money so as to reach NHQ on or before 31/10/2025

Thanking you,

Yours Sincerely,
(DARSHANA PAWASKAR)
DIRECTOR

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रति माह

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
65th ALT (Guide Wing) Course	22 - 28 April 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
HWB Course for Flock Leaders	06 - 12 May 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
HWB Course for Ranger Leaders	06 - 12 May 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
HWB Course for Guide Captains	06 - 12 May 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
National Integration Camp	11 - 15 April 2025	Sirsa, Haryana
National Level Disaster Preparedness & Management Training On Fire Fighting & Land Slide For Rover / Rangers	14 - 20 May 2025	Bhopalpani, Dehradun
National Level Rover/Ranger Samagam	19 - 23 June 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
International Rover Week, Summer 2025	Between 14th & 22nd July	Kandersteg, Switzerland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
15th Asia Pacific Regional Conference (WAGGGS)	19-23 August, 2025	New Delhi
Arts 4 Healing	19 - 25 September, 2025	Sangam, Pune, Maharashtra
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र विथिका

जगतपुरा जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रथम पायनियरिंग कोर्स में संभागियों के साथ
राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य की गरिमामयी उपस्थिति

भरतपुर के तत्वावधान में सवाई माधोपुर प्रशिक्षण केंद्र पर
आयोजित गाइड कैप्टन व फ्लॉक लीडर
एडवांस कोर्स की संभागीगण

बारां में हाईक के दौरान स्वच्छता जनचेतना रैली
निकालती हुई फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स की संभागी

राजगढ चूरू में जलवायू परिवर्तन कार्यक्रम में रैली को
हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए पदाधिकारी

जयपुर मंडल स्तरीय अनाथालय शिविर में संभागी व
प्रशिक्षक दल का समुह

स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय, जयपुर पर आयोजित राज्य कार्यकारिणी की बैठक में
राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यगण

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com